नई दिल्ली ■ सोमवार 12 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 285 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

JBT www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 युवा चेतना के संवाहक स्वामी विवेकानंद | 07 पेस और गोपीचंद ने खेल मंत्री के साथ | 'मैं यामी की फैन हूं', 'हक' की परफॉर्मेंस ने जीता आलिया का दिल 08

सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी सक्रिय, उन्हें हराना जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

सोमनाथ (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के बाद गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें ''हमारे बीच अब भी सक्रिय हैं'' और भारत को उन्हें हराने के लिए सतर्क, एकजुट तथा शक्तिशाली बने रहने की जरूरत है। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में स्थित ऐतिहासिक मंदिर पर अतीत में हुए हमलों और हर बार इसके पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि लोगों का दिल तलवार की नोक पर कभी नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि सोमनाथ का 1,000 वर्षों का इतिहास विनाश और पराजय का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का है। वह सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में आयोजित एक विशाल सभा को संबोधित कर रहे थे, जो भारतीय सभ्यता के लचीलेपन को चिह्नित करने के लिए यहां आयोजित किया गया था, जिसका प्रतीक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण है, जिसे 1026 ईस्वी में महमूद गजनी के आक्रमण से शुरू होकर विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा बार-बार तबाह किया गया था।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के एक बयान के अनुसार, सदियों पहले इस मंदिर को नष्ट करने के कई बार प्रयास किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज विश्वास, साहस और राष्ट्रीय गर्व के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है। यह सब इसे इसकी प्राचीन महिमा में बहाल करने के सामूहिक संकल्प और प्रयासों के कारण संभव हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले नफरत से प्रेरित थे, लेकिन इसे केवल लूटपाट के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा, ''धार्मिक उद्देश्य को छुपाने के लिए किताबें लिखी गईं, जिनमें इसे महज सामान्य लूटपाट के रूप में दर्शाया गया। सोमनाथ मंदिर को बार-बार नष्ट किया गया। यदि आक्रमण केवल लूटपाट के लिए होते, तो 1,000 साल पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही वे रुक गए होते।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ के पवित्र देवता का अपमान किया गया। मंदिर के स्वरूप को ही बदलने के बार-बार प्रयास किए गए। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को लूट के लिए नष्ट किया गया था। नफरत, अत्याचार और आतंक का सच्चा इतिहास हमसे छुपाया गया।''

मोदी ने कहा कि जो व्यक्ति अपने धर्म के प्रति सच्चे भाव रखता है, वह ऐसी चरमपंथी विचारधारा का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, तुष्टीकरण में लिप्त लोग ऐसे धार्मिक चरमपंथ के आगे घुटने टेक देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की शपथ ली, तो उनके रास्ते में बाधाएं डाली गईं और जब भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के लिए यहां आए, तब भी आपत्तियां उठाई गईं। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी हमारे देश में मौजूद हैं और वे बहुत सक्रिय हैं। तलवारों के बजाय अन्य तरीकों से भारत के खिलाफ साजिशें रची जा रही हैं।''

मोदी ने कहा, ''इसीलिए हमें सतर्क और एकजुट रहने की जरूरत है। हमें खुद को और अधिक शक्तिशाली बनाना होगा, ताकि हम उन ताकतों को हरा सकें, जो हमें बांटने की साजिश रच रही हैं।'' उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर कई बार हमले हुए, जिनकी शुरुआत 1026 में महमूद गजनी के हमले से हुई और 17वीं और 18वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब के हमलों तक जारी रही। उन्होंने कहा कि महमूद बेगड़ा और औरंगजेब ने आक्रमण के दौरान मंदिर को मस्जिद में बदलने की कोशिश भी की। लेकिन हर हमले के बाद मालवा की रानी अहिल्याबाई होलकर सहित भगवान शिव के भक्तों द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''दूसरों को नष्ट करके उन्नति करने वाली सभ्यताएं अंततः स्वयं को ही नष्ट कर लेती हैं। सोमनाथ जैसे तीर्थस्थलों ने हमें सिखाया है कि सृजन का मार्ग लंबा है, लेकिन यह शाश्वत मार्ग भी है।'' उन्होंने कहा, ''सोमनाथ का इतिहास हमारे पूर्वजों की वीरता का गीत है। यह उनके बलिदान और समर्पण का प्रमाण है।'' उन्होंने कहा कि आततायी अब इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं, लेकिन सोमनाथ मंदिर आज भी शान से खड़ा है। मोदी ने कहा कि जिस प्रकार मंदिर को नष्ट करने की कोशिश की गई, उसी तरह विदेशी आक्रमणकारियों ने कई सदियों तक भारत को तबाह करने का प्रयास किया, लेकिन न तो सोमनाथ झुका और न ही देश।

उन्होंने कहा, ''आततायियों ने सोचा कि मंदिर को नष्ट करके उन्होंने जीत हासिल कर ली है, लेकिन 1000 साल बाद भी सोमनाथ का झंडा शान से लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व के इतिहास में इन 1,000 वर्षों के संघर्ष की कोई बराबरी नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आक्रमणकारी आते रहे और धर्म पर आतंकी हमले जारी रहे। लेकिन हर दौर में सोमनाथ का पुनर्निर्माण हुआ। सदियों तक चलने वाला ऐसा संघर्ष, ऐसा लंबा प्रतिरोध और अपनी संस्कृति में ऐसी अटूट आस्था - विश्व इतिहास में इसकी तुलना करना मुश्किल है। मोदी ने कहा कि वीर हमीरजी गोहिल और वेगडाजी भील जैसे कई वीरजनों ने सोमनाथ मंदिर को आक्रमणकारियों से बचाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा, ''लेकिन, दुर्भाग्य से उन्हें उनका उचित श्रेय और महत्व नहीं दिया गया। वास्तव में कुछ इतिहासकारों और नेताओं ने तो इन आक्रमणों के इतिहास को छिपाने का भी प्रयास किया।'' इससे पहले, प्रधानमंत्री ने 'शौर्य यात्रा' का नेतृत्व किया। इसका आयोजन सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए किया गया। इस यात्रा में 108 अश्वों की झांकी निकाली गई, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए शंख सर्कल से वीर हमीरजी गोहिल सर्कल तक यात्रा मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग और श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

उन्होंने ऐतिहासिक मंदिर में पूजा-अर्चना भी की और सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी, जिनकी प्रतिमा मंदिर परिसर के पास स्थापित है। युवा पुजारियों का एक समूह, जिन्हें 'ऋषि कुमार' भी कहा जाता है, मोदी के वाहन के साथ-साथ चलते हुए भगवान शिव का वाद्ययंत्र 'डमरू' बजा रहा था। एक समय ऐसा भी आया, जब मोदी ने स्वयं एक पुजारी से दो डमरू लिए और अपने वाहन पर खड़े होकर उन्हें बजाया।

वैश्विक स्तर पर भारी अनिश्चितता के बीच, भारत में अभूतपूर्व निश्चितता है : पीएम

राजकोट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत वर्तमान में अभूतपूर्व निश्चितता और राजनीतिक स्थिरता के युग का साक्षी है, विशेषकर एक ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितता का सामना कर रही है। मोदी ने निवेशकों से देश में मौजूद विभिन्न अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। राजकोट शहर में सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर व्याप्त भारी अनिश्चितता के बीच, हम भारत में अभूतपूर्व निश्चितता के युग के साक्षी बन रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। मोदी ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने बहुत तीव्र प्रगति की है, और इसमें गुजरात ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, और उभरते आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि भारत से विश्व की अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि नए मध्यम वर्ग का विस्तार और उनकी बढ़ती क्रय शक्ति उन प्रमुख कारकों में से हैं जिन्होंने भारत को अपार संभावनाओं वाला देश बना दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में सबसे अधिक टीके बनाने वाला देश भारत है। भारत की वृद्धि 'सुधार, प्रदर्शन और रूपांतरण' के मंत्र पर आधारित है। मोदी ने कहा कि आज हर वैश्विक विशेषज्ञ और वैश्विक संस्था भारत को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा कि भारत मोबाइल डेटा का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है, और यूपीआई दुनिया का नंबर एक रियल-टाइम डिजिटल लेनदेन मंच बन गया है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में भी भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल है, जबकि इसके मेट्रो नेटवर्क दुनिया के शीर्ष तीन नेटवर्कों में से हैं। मोदी ने कहा कि इसीलिए मैं बार-बार कहता हूं कि यही समय है, और देश-दुनिया के हर निवेशक के लिए इन अवसरों का लाभ उठाने का यह सही समय है। उन्होंने निवेशकों से सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र में निवेश करने पर विचार करने का भी आग्रह किया, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

गांधीनगर मेट्रो : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूसरे चरण के बाकी हिस्से का लोकार्पण किया

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार शाम को अहमदाबाद मेट्रो के दूसरे चरण के शेष हिस्से का लोकार्पण किया, जिससे अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच एक महत्वपूर्ण परिवहन संपर्क पूरा हो गया। अधिकारियों ने बताया कि शेष चरण गांधीनगर के सेक्टर 10ए को महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र से जोड़ता है। राज्य सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, मोदी ने शाम को गांधीनगर के महात्मा मंदिर मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उनके उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। विज्ञप्ति के मुताबिक, यह हिस्सा सचिवालय परिसर, अक्षरधाम मंदिर, पुराना सचिवालय, सेक्टर 16 और 24 को जोड़ता है। यह अहमदाबाद और गांधीनगर को जोड़ने वाली मेट्रो सेवा के दूसरे चरण का हिस्सा है। मोदी ने सितंबर 2024 में दोनों शहरों को जोड़ने वाली मेट्रो सेवा का उद्घाटन किया था। विज्ञप्ति के मुताबिक, उद्घाटन के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मेट्रो से सचिवालय पहुंचे।

संक्षिप्त खबरें

इंडियन आइडल 3' के विजेता अभिनेता प्रशांत तमांग का निधन

नई दिल्ली। इंडियन आइडल 3 के विजेता और पाताल लोक 2 में नजर आए प्रशांत तमांग का रविवार को हृदयाघात के कारण निधन हो गया। वह 43 वर्ष के थे। तमांग के करीबी दोस्त और गायक महेश सेवा ने बताया कि गायक-अभिनेता का निधन जनकपुरी स्थित उनके आवास पर हुआ। उन्होंने कहा कि सुबह करीब नौ बजे दिल्ली स्थित आवास पर हृदयाघात से तमांग का निधन हो गया। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके असामयिक निधन से मैं स्तब्ध हूं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे बात की थी और तब वह बिल्कुल स्वस्थ थे। उन्होंने आगे कहा कि उनका शव अब भी अस्पताल में है। तमांग की मौत की खबर सबसे पहले उनके एक अन्य मित्र राजेश घाटानी ने सोशल मीडिया पर साझा की थी। घाटानी ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर लिखा कि यह बेहद दुखद खबर लिखते हुए मेरा दिल भारी हो रहा है!! ईश्वर करे आप बैकुंठ में रहें!! प्रशांत भाई को मेरी श्रद्धांजलि।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने 'जी राम जी' की आलोचना को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 'विकसित भारत- रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी 'वीबी-जी राम जी' का विरोध करने के लिए विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के दशकों के भ्रष्टाचार ने ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम मनरेगा को खोखला बना दिया था। शेखावत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने वर्षों तक मनरेगा को भ्रष्टाचार का जरिया बनाया। उन्होंने दावा किया कि नयी योजना से बिचौलियों का अंत होगा। कांग्रेस ने संप्रग काल के ग्रामीण रोजगार कानून को निरस्त करने के विरोध में शनिवार को 45-दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान ''मनरेगा बचाओ संग्राम'' शुरू किया और हर जिले में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। शेखावत ने जोधपुर के सर्किट हाउस में संवाददाताओं से कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पारदर्शिता आधारित जो सुधार लाए गए हैं, उनसे पहले की व्यवस्था से लाभान्वित होने वाले लोग परेशान हैं। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष के विरोधाभासी रुख की ओर इशारा करते हुए कहा कि उनकी अपनी पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं ने भी इस योजना की विफलताओं को स्वीकार किया था।

तमिलनाडु के लोग द्रमुक सरकार से 'असंतुष्ट' हैं : नितिन नवीन

कोयंबटूर। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु के लोग द्रमुक सरकार की प्रशासनिक विफलताओं से बेहद असंतुष्ट हैं।

कपड़ा उद्योग के इस शहर के दो दिवसीय दौरे पर आए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त और समृद्ध तमिलनाडु के दृष्टिकोण को हर घर और हर मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नवीन ने कहा कि तमिलनाडु के लोग द्रमुक सरकार की प्रशासनिक विफलताओं से बेहद असंतुष्ट हैं। हमारे समर्पित कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भ्रष्टाचार मुक्त और समृद्ध तमिलनाडु के महान सपने को हर घर और हर मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह से तैयार और प्रतिबद्ध हैं। बाद में, नवीन ने पेरूर पटीश्वरार मंदिर और प्रसिद्ध मरुधमलाई मुरुगन मंदिर में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पूजा-अर्चना की, जिनमें भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, पूर्व प्रदेश भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई और अन्य शामिल थे।

सोनिया गांधी को गंगा राम अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रविवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें सीने में संक्रमण के कारण 'ब्रोंकियल अस्थमा' के बढ़ने पर लगभग एक सप्ताह पहले दिल्ली के इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अस्पताला के अधिकारियों ने बताया कि गांधी पर इलाज का अच्छा असर हुआ है और वह तेजी से ठीक हो रही हैं। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता को आज शाम पांच बजे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब इलाज अपने आवास पर जारी रखने की सलाह दी गई। अधिकारी ने आगे बताया कि गांधी को पांच जनवरी की शाम को छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. अरूप बसु की देखरेख में ₹छाती में संक्रमण के कारण ब्रोन्कियल अस्थमा के बिगड़ने₹ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पिछले दिसंबर में वह 79 वर्ष की हो गईं।

शुभेंदु अधिकारी ने आईपैक-ईडी विवाद मामले में की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जेल भेजने की मांग

कोलकाता। भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मनोज वर्मा पर राजनीतिक परामर्श फर्म 'आई-पैक' से जुड़े परिसरों पर ईडी की छापेमारी में बाधा डालने और संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उन्हें जेल भेजने की रविवार को मांग की।

विपक्ष के नेता ने आगामी विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी को उनके भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से हराने का भी संकल्प जताया। बनर्जी के विरोध मार्च के जवाब में दक्षिण कोलकाता में एक रैली को संबोधित करते हुए, अधिकारी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने ईडी की छापेमारी के दौरान केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों से फाइल और एक लैपटॉप छीनकर व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया, जो सरकारी कामकाज में बाधा डालना और एक अपराध है। उन्होंने कहा कि कानून ईडी को तलाश, पूछताछ और गिरफ्तार करने का संवैधानिक अधिकार देता है।

अधिकारी ने कहा कि फिर भी मुख्यमंत्री मौके पर पहुंचीं और तलाशी में बाधा डाली। आठ जनवरी को, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत ईडी की छापेमारी के दौरान अचानक 'आई-पैक' के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर पहुंच गईं। उनके साथ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बनर्जी को जैन के आवास से कई दस्तावेज बाहर लाते हुए भी देखा गया था। 'आई-पैक' तृणमूल कांग्रेस को राजनीतिक परामर्श सेवाएं प्रदान करती है।

कोहली और गिल के अर्धशतक, भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

वड़ोदरा। भारत ने विराट कोहली (93 रन) और कप्तान शुभमन गिल (56 रन) के अर्धशतक तथा दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी से रविवार को यहां न्यूजीलैंड को शुरुआती एक दिवसीय मुकाबले में एक ओवर रहते चार विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (84), हेनरी निकोल्स (62) और डेवोन कॉनवे (56) के अर्धशतकों की मदद से आठ विकेट पर 300 रन बनाए।

भारत के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो दो विकेट लिए जबकि स्पिनरों में कुलदीप यादव को एक विकेट मिला। भारत ने कोहली (91 गेंद, आठ चौके, एक छक्का) की गिल (71 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय और श्रेयस य्यर (49 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी से 49 ओवर में छह विकेट पर 306 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। केएल राहुल (नाबाद 29 रन, 21 गेंद, दो चौके, एक छक्का) ने 48वें ओवर की अंतिम तीन गेंद में से दो में चौके लगाकर स्कोर बराबर किया। फिर अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। उनके अलावा हर्षित राणा ने 23 गेंद में 29 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमीसन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में एक मेडन से 41 रन देकर चार विकेट झटके। लेकिन क्षेत्ररक्षण में हुई कई चूक से टीम को काफी निराशा हुई।

विराट कोहली 28 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बने

वडोदरा। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक और कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ 25 रन बनाते ही कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28 हजार रन पूरे किए। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। भारत के सचिन तेंदुलकर लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 34357 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर अब विराट आ गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी कुमार संगाकारा को पीछे छोड़ दिया है। संगाकारा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28016 रन बनाए थे। विराट इससे आगे निकल गए हैं। कोहली ने इस 28 हजार अंतरराष्ट्रीय रन के आंकड़े को अपने 557वें मैच में पार किया।

वाराणसी के स्कूलों में तमिल भाषा की नियमित कक्षाएं चलाने की तैयारी

वाराणसी। काशी-तमिल संगमम के बाद वाराणसी के स्कूलों में तमिल भाषा की अब नियमित कक्षाएं संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही तमिलनाडु के छात्रों को भी हिंदी सिखाने के लिए 50 अध्यापकों को भी तमिलनाडु भेजने की तैयारी है। राजकीय क्वींस कॉलेज के प्राचार्य सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों इसी विद्यालय की छात्रा पायल पटेल के तमिल भाषा सीखने और बोलने की प्रशंसा की थी और इसे देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्कूल में तमिल भाषा सिखाने के लिए सायंकालीन कक्षा चलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि ऐसे में प्रधानमंत्री के सांस्कृतिक एकीकरण की सोच को ध्यान में रखते हुए तमिल भाषा की कक्षाएं जल्द ही शुरू की जाएंगी।

सीआईआई ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण के लिए तेज मांग-आधारित रणनीति सुझाई

▶▶ आम बजट वित्त वर्ष 2026-27 पर सीआईआई ने दिया सुझाव

नई दिल्ली। उद्योग जगत के संगठन सीआईआई ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विनिवेश से मूल्यवर्धन करने के लिए एक त्वरित चार-सूत्रीय रणनीति का सुझाव दिया है, जिसमें निजीकरण के लिए इकाइयों के चयन में मांग-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया गया है।

सीआईआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट के लिए सुझाव देते हुए कहा कि सरकार को निजीकरण के माध्यम से संसाधन जुटाने चाहिए। इसके लिए ऐसी रणनीति अपनाई जाए जिससे निजी क्षेत्र की भागीदारी से दक्षता बढ़े, नई प्रौद्योगिकी आए और वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत हो। इससे पूंजीगत खर्च और विकास संबंधी जरूरी योजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी, खासकर जब दुनिया की अर्थव्यवस्था अनिश्चितता से भरी है। सीआईआई) ने केंद्र से तीन साल की अवधि के लिए निजीकरण की योजना की घोषणा करने का आह्वान किया है, जिसमें यह बताया जाए कि इस अवधि के दौरान किन उद्यमों का निजीकरण किया जा सकता है। इसमें तर्क दिया गया कि इस पारदर्शिता से निवेशकों की गहरी भागीदारी और अधिक यथार्थवादी मूल्यांकन और मूल्य निर्धारण को प्रोत्साहन मिलेगा, जो निजीकरण की प्रक्रिया को तेज करने में योगदान देगा। सीआईआई ने कहा, "सरकार चरणबद्ध तरीके से सूचीबद्ध सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसई) में अपनी हिस्सेदारी को शुरू में 51 प्रतिशत तक कम कर सकती है, जिससे वह सबसे बड़ी एकल शेयरधारक बनी रहेगी और बाजार में महत्वपूर्ण मूल्य का प्रवाह होगा।

संक्षिप्त खबरें

श्रीराम की जीवनी पर लघु नाटिका आयोजित

नोएडा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के तहत रविवार को शहर में दो स्थानों पर हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लघु नाटिका के माध्यम से शिव तांडव, श्रीराम की जीवनी सहित अन्य प्रस्तुति दी गई। 15 फरवरी तक शहर में 140 हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सेक्टर 12 में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम सिंह के संघ के सौ वर्षों की यात्रा और समाज में पंच परिवर्तन के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के अध्यक्ष गोपी शाह महाराज ने हिंदुत्व की विशेषता एवं वर्तमान चुनौती तथा समाधान के बारे में बताया। सामाजिक संस्था नेह नीड के बच्चों द्वारा शिव तांडव, भगवान श्री राम की जीवनी, पर्यावरण आदि पर लघु नाटक प्रस्तुत किए।

जिले के 250 बकायेदारों ने ओटीएस का लाभ उठाया

नोएडा। विद्युत निगम की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के दूसरे चरण के तहत रविवार को जिले में 24 से अधिक स्थानों पर शिविर लगाए गए। इसमें 250 से अधिक उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराकर योजना का लाभ उठाया। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता रितेश आनंद ने बताया कि रविवार को दादरी, ग्रेटर नोएडा और जेवर क्षेत्र में आठ-आठ स्थानों शिविर लगाए गए। उपभोक्ताओं को ओटीएस के लाभों की भी जानकारी दी गई। उन्होंने दादरी क्षेत्र के कूड़ी-खेड़ा, धूममानिकपुर और प्यावली गांवों में लगाए गए शिविरों का निरीक्षण भी किया। अधिकारी के मुताबिक, रविवार को 250 से अधिक बकायेदारों ने योजना के तहत पंजीकरण कराया। इससे विभाग को करीब 30 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। बिजली चोरी के प्रकरण में संलिप्त 22 लोगों ने पंजीकरण कराके करीब 5 करोड़ रुपये का राजस्व जमा किया। उल्लेखनीय है कि जिले में 48 हजार से अधिक बकायेदार है। इनमें से अभी तक 16 हजार उपभोक्ता योजना के तहत पंजीकरण करा चुके हैं। इनसे विद्युत निगम को 37 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

जिले के चार माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित होंगी आईसीटी लैब

नोएडा। जिले के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) लैब का दायरा बढ़ाया जाएगा। पहले चरण में दो विद्यालयों में लैब स्थापित करने के बाद, दूसरे चरण में चार विद्यालयों में लैब की स्थापना की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य छात्रों को अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से पठन-पाठन में बेहतर अवसर प्रदान करना है। आईसीटी लैब की स्थापना से छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा का अवसर मिलेगा। साथ ही विद्यालयों में कंप्यूटर उपलब्ध होने से वे तकनीकी कौशल सीख सकेंगे, कोडिंग, इंटरनेट का प्रयोग कर सकेंगे और डिजिटल सामग्री के माध्यम से अध्ययन कर सकेंगे। चयनित विद्यालयों में प्रत्येक लैब में सात कंप्यूटर डेस्कटॉप, इंटरैक्टिव पैनल, वेब कैमरा, मल्टीफंक्शनल प्रिंटर, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और वाई-फाई राउटर जैसी सुविधाएं मिलेंगी। डीआईओएस ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक से निर्देश प्राप्त हुए हैं। उनके अनुसार ही आईसीटी लैब के लिए विद्यालय में अलग कमरे का प्रबंध किया जाए।

सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी में होंगी प्रयोगात्मक परीक्षाएं

ग्रेटर नोएडा। यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाओं को लेकर तैयारियां की जा रही है। प्रयोगात्मक परीक्षाए सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी में कराई जाएंगी। इसके लिए विभाग द्वारा सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती के लिए सूची तैयार की जा रही है। करीब 50 केंद्रों पर प्रयोगात्मक परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में दूसरे चरण में 2 से 9 फरवरी तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। कॉलेज में लैब को अपडेट किया जा रहा है। यूपी बोर्ड ने परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता को लेकर विशेष सख्ती बरती है, जिसके तहत प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराया जाएगा और इसकी पूरी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षकों की फोटो और बायोडाटा स्कूलों को पहले से भेज दिया जाएगा। ताकि उनके पहुंचने पर स्कूल के प्रधानाचार्य संतुष्ट होने पर ही उन्हें परीक्षा लेने की अनुमति देंगे। मोबाइल एप पर एक दिन में परीक्षक अधिकतम 70-80 परीक्षार्थियों के अंक ही अपलोड कर सकेंगे और उसके बाद एप लॉक हो जाएगा।

प्रबंधन के छात्रों नेअपने अनुभव साझा किए

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्तिथ ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस एंड एडमिस्ट्रेशन के 2008-10 सत्र के छात्रों का शनिवार को पुनर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रेटर नोएडा के जेबो फार्म में आयोजित कार्यक्रम में छात्रो के साथ साथ ही फैकल्टी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने की बारीकियां बताई। कई विषयों पर चर्चा की।

एसोसिएशन का चुनाव आठ मार्च को होगा

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर सिग्मा-3 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की आम सभा रविवार को हुई। इसमें 2026–2028 के कार्यकाल के लिए चुनाव कराने की घोषणा की गई। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन की अंतिम तिथि 8 मार्च 2026, नाम वापसी की अंतिम तिथि 10 मार्च 2026 तथा चुनाव 15 मार्च 2026 को संपन्न होंगे। बैठक में रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की कार्यकारिणी के सदस्य सहित जितेंद्र शर्मा अध्यक्ष और प्रमोद झा महासचिव शामिल रहे।

स्वास्थ्य शिविर का 122 लोगों ने लाभ लिया

नोएडा। सेक्टर-82 स्थित उद्योग विहार सोसाइटी में रविवार कोआरडब्ल्यूए के प्रयास से स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इसमें 122 लोगों ने लाभ उठाया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मयंक चौहान ने बताया कि शिविर में कार्डियोलॉजी, जनरल फिजिशियन, डेंटल, नेत्र रोग विशेषज्ञ और डाइटिशियन ने लोगों का उपचार किया। निवासियों की ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर, ईसीजी, एसपीओटू, बीएमआई, बीएमडी, कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग और पल्स रेट आदि की जांच की गई।

जी-राम-जी से ग्रामीणों को 125 दिन रोजगार की गारंटी: कुंवर बृजेश सिंह

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित एक प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग राज्य मंत्री एवं गौमतबुद्व नगर के जिला प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि विकसित भारत-रोजगार की गारंटी और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) बिल भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक नई ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना है, जो मनरेगा का स्थान लेती है, जिसमें 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, जिसका लक्ष्य ग्रामीण परिसंपत्ति निर्माण, सशक्त आजीविका, डिजिटल शासन और विकसित भारत/2047 के दृष्टिकोण के साथ ग्रामीण विकास को मजबूत करना है।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-जीटा 1 में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि विकसित भारत रोजगार आजीविका गारंटी ग्रामीण योजना विकसित भारत के लिए जी-राम-जी नाम एक सर्व समाधान है। इस कानून को लाने के पीछे मोदी सरकार की यह मंशा है कि देश के हर गरीब को रोजगार मिले। उसकी गरिमा का सम्मान हो, गरीब जनजाति और पिछड़े वर्ग को रोजगार मिले। विकसित भारत

2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण ग्राम विकास का एक नया ढांचा खड़ा करना हमारा उद्देश्य हैं। यह कानून महात्मा गांधी जी की सोच के अनुरूप है और राम राज्य की स्थापना की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि मनरेगा के तहत, अगर किसी काम की तलाश करने वाले व्यक्ति को 15 दिनों के भीतर रोजगार नहीं मिलता है, तो राज्य सरकार को अनिवार्य रूप से उसे बेरोजगारी भत्ता देना होगा। बिल में इस प्रावधान को बरकरार रखा गया है।

एमएलसी विधायक श्रीचंद शर्मा ने बताया कि जी-राम-जी योजना से देश के विकास के लिए गांव-गांव में विकास कार्य और तेज गति से होंगे और ग्रामीणों को रोजगार भी पहले से अधिक 25 दिन अब पूरे वर्ष में 125 दिन रोजगार मिलेगा। विधायक तेजपाल नागर ने बताया कि भविष्य के अनुरूप ग्रामीण विकास के माडल के रूप में बनाना अनुमानित और बेहतर आजीविका सुरक्षा को सुनिश्चित करना तकनीक आधारित पारदर्शिता के माध्यम से भ्रष्टाचार समाप्त होगा। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि इस नई योजना में न केवल रोजगार की अवधि बढ़ाई गई है इसके साथ ही मजदूरी का भुगतान भी जल्दी होगा।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि इस योजना से हर साल 125 दिन के रोजगार की गारंटी मिलेगी और वन क्षेत्र में काम करने वाले अनुसूचित जनजाति के कामगारों को 25 दिन अधिक रोजगार मिलेगा और अधिक रीजगर मिलने से गांवों ग्रामीण क्षेत्रों का विकास तेज गति से होगा। जी-राम-जी योजना से विकसित भारत 2047 संकल्प की सफलता के लिए एक नई पहल साबित होगी। प्रेस वार्ता के दौरान आरएलडी जिलाध्यक्ष जनार्दन भाटी, पंकज सिंह, सुभाष भाटी, वीरेन्द्र भाटी, दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, सतेन्द्र नागर, देवा भाटी, वीरेन्द्र भाटी, कर्मवीर आर्य, विमल पुंडीर, सचिन गौतम, बलराज भाटी, अरुण प्रधान, रवि जिन्दल, अमित पंडित, अर्पित तिवारी, मनोज मावी, धीर राणा, अर्पणा सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

लोगों ने घेरा तो बाइक छोड़कर भागा बदमाश

नोएडा। सेक्टर-122 में राह चलते व्यक्ति का मोबाइल झपटकर भाग रहे बाइक सवार बदमाश को लोगों ने घेर लिया। बदमाश बाइक को मौके पर ही छोड़कर भाग निकला। लोगों ने बाइक को पुलिस को सौंप दिया है। पूरे घटनाक्रम की जानकारी स्थानीय सेक्टर-113 थाने की पुलिस को दे दी गई है। भागने के दौरान लूटा हुआ मोबाइल भी बदमाश के हाथ से गिर गया। पुलिस बाइक के मूल मालिक के बारे में जानकारी जुटा रही है। बाइक में नंबर प्लेट न होने के कारण मालिक से संपर्क करने में परेशानी हो रही है। सेक्टर 122 निवासी मधुर शनिवार रात को पैदल ही जा रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर किसी परिचित की कॉल आ गई। ऐसे में उन्होंने जेब से मोबाइल निकाला और बात करने लगे। सेक्टर में बाइक सवार बदमाश पीछे से आया और मधुर का मोबाइल झपटकर भागने लगा। पीड़ित ने शोर मचाकर पीछा किया तो बदमाश घिर गया। बदमाश मौके पर बाइक और मोबाइल छोड़ कर भाग गया। इस संबंध में यूजर ने सोशल मीडिया पर बाइक की फोटो भी साझा की है। पोस्ट में पुलिस के अलावा डीजीपी उत्तर प्रदेश को भी टैग किया गया है। यूजर का दावा है कि बदमाशों द्वारा वारदात दिनदहाड़े की गई है। सेक्टर-113 थाना प्रभारी ने बताया कि फरार बदमाश की तलाश जारी है।

मनरेगा अधिनियम में बदलाव का विरोध

ग्रेटर नोएडा। मनरेगा अधिनियम में परिवर्तन के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने रविवार को कलेक्ट्रेट पर एक दिवसीय अनशन किया। अनशन में पार्टी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीण मजदूरों और आम नागरिकों की भागीदारी रही। कांग्रेस की मांग है कि रोजगार जीविका गारंटी ग्रामीण योजना व्यवस्था को समाप्त किया जाए। मनरेगा को उसके मूल स्वरूप और नाम के साथ बहाल की जाए। रोजगार

की कानूनी गारंटी सुनिश्चित हो। मजदूरी भुगतान में देरी बंद की जाए। मनरेगा बजट में कटौती समाप्त की जाए। कांग्रेसियों ने इन मांगों से संबंधित राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। अनशन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों गरीब ग्रामीण परिवारों को सम्मान के साथ रोजगार देने वाला कानून है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मनरेगा का नाम बदलकर, नियमों में बदलाव कर और नई प्रणाली जी-राम-जी के माध्यम से उसकी आत्मा को खत्म करना चाहती है। कार्य की अनिवार्यता, मजदूरी भुगतान प्रणाली और मांग आधारित रोजगार व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण मजदूरों को रोजगार मिलना कठिन हो गया है। यह सीधे-सीधे मनरेगा कानून का उल्लंघन है। अनशन में रन सिंह प्रधान, दुष्यंत नागर, सूबेदार सतपाल सिंह, तीरथराम बाल्मीकि, संदीप नागर, हरेंद्र शर्मा, धर्मबीर सिंह, सीमा चौधरी, श्रुति कुमारी, नीरज लोहिया, कपिल भाटी, चरण सिंह, किशन शर्मा, निशा शर्मा, रिज़वान चौधरी, सतीश शर्मा आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।

आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन: बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों के खिलाफ ज्ञापन

नोएडा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार बढ़ते हमलों, मंदिरों को निशाना बनाए जाने, महिलाओं और बच्चों के साथ हो रही अमानवीय बर्बरता तथा भय के माहौल में कराए जा रहे जबरन पलायन के विरोध में आम आदमी पार्टी ने रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आप कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि हिंदुओं के खून पर खामोशी अब स्वीकार नहीं की जाएगी। इस संदर्भ में आम आदमी पार्टी द्वारा राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी थाना सेक्टर-20 प्रभारी को सौंपा गया।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में हो रहे प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन भारत सरकार न तो कूटनीतिक दबाव बना रही है और न ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कोई ठोस पहल कर रही है। पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की यह चुप्पी अत्याचारियों के हौसले बढ़ा

रही है और इससे बांग्लादेश में हालात और भयावह होते जा रहे हैं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष परशुराम चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हो रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंख मूंदकर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ विदेश नीति की विफलता नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ अपराध है। जब एक ओर हिंदू मंदिर जलाए जा रहे हैं और निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं, तब दूसरी ओर भारत सरकार का मौन रहना नैतिक पतन का प्रतीक है। यदि अब भी केंद्र सरकार ने कठोर और निर्णायक कदम नहीं उठाए, तो आम आदमी पार्टी इस आंदोलन को और व्यापक और उग्र रूप देगी।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे खूनखराबे, मंदिरों के विध्वंस और महिलाओं-बच्चों पर जारी बर्बरता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी कोई भूल नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी अडानी के हजारों करोड़ रुपये के बिजली कारोबार की कीमत पर खरीदी गई है। जिस बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुनकर मारा जा रहा है, उसी बांग्लादेश को झारखंड से हिंदुस्तान की बिजली अडानी के जरिए सप्लाई की जा रही है और मुनाफे की गंगा बह रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के साथ सभी व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध समाप्त करने, भारत से दी जा रही बिजली आपूर्ति पर तत्काल रोक लगाने तथा हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग उठाई। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा।

भूमाफिया पर रास्ते पर कब्जा करने का आरोप

नोएडा। सेक्टर 49 थानाक्षेत्र स्थित हिंडन विहार के लोगों ने कथित भूमाफिया पर सोसाइटी के रास्ते पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। आरोपी पर पुलिस से सांठगांठ करने का भी आरोप है। सोसाइटी के लोगों ने मामले को लेकर जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। हिंडन विहार सोसाइटी के दो हजार फ्लैट में आठ से दस हजार लोग रहते हैं। सोसाइटी के रास्ते के एक तरफ शत्रु संपत्ति और दूसरी तरफ कथित भूमाफिया की जमीन है। सोसाइटी और भूमाफिया की जमीन के खसरा नंबर अलग-अलग हैं। हिंडन विहार में रहने वाले लोगों का आरोप है कि कथित भूमाफिया अब अपने भूखंड के लिए रास्ता सोसाइटी के रास्ते पर ही निकालता चाह रहा है। इस बारे में बात की गई तो आरोपी ने मामले को रफा-दफा करने पर जोर दिया। सोसाइटी के लोगों का कहना है कि इस संबंध में स्थानीय चौकी और थाने पर शिकायत की गई पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे भूमाफिया के हौसले बढ़ गए और उसने बीते शुक्रवार को तीन जगह से दीवार तोड़ दी। दीवार के पास लगे कई पेड़ पौधों को भी काट दिया गया। लोगों ने थाना पुलिस पर आरोपियों का सहयोग करने का आरोप लगाया है। शिकायत करने वालों में राघवेंद्र सिंह, संतोष कुमार झा, प्रशांत कुमार, पवन, धीरलाल चौहान, प्रवीण कुमार, वीरपाल, मनोज, वीरेंद्र और दीपक समेत अन्य लोग शामिल हैं। शिकायती पत्र सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर भी वायरल हुआ है। यूजर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को वायरल शिकायती पत्र में टैग कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पुष्पोत्सव के दौरान ड्रोन लाइट शो में नोएडा एयरपोर्ट देख सकेंगे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क में 27 फरवरी से एक मार्च तक पुष्पोत्सव-2026 का आयोजन होगा। इसमें पहली बार ड्रोन लाइट शो के जरिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शासन की उपलब्धियां, भारत के नक्शे में आधुनिक शहर ग्रेटर नोएडा की स्थिति दर्शाए जाएंगे। इसमें 500 से अधिक ड्रोन की मदद ली जाएगी। पुष्पोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। लगातार बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक ड्रोन लाइट शो के संबंध में दो से तीन कंपनियां प्रस्तुतिकरण दे चुकी हैं। लोगों को आकर्षित करने के लिए रंग-बिरंगें फूलों से ऑपरेशन सिंदूर, गांधी का चरखा, भगवान बुद्ध, इसरो के रॉकेट लॉन्चिंग केंद्र आदि आकृतियां बनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए देश के अन्य राज्यों से खास फूल मंगाए जा सकते हैं, जो तीन से चार दिन तक खराब न हों।

प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत/उद्यान विभाग अजीत भाई पटेल ने बताया कि ड्रोन लाइट शो 15-20 मिनट का होगा। इसके लिए विशेषज्ञ कंपनी के चयन की प्रक्रिया चल रही है। 500 ड्रोन की मदद से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शासन की प्रमुख उपलब्धियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्र, भारत के नक्शे पर आज ग्रेटर नोएडा आदि को दर्शाया जाएगा। इसके अलावा फूलों की आकृतियां भी बनाई जाएंगी। तीन दिवसीय पुष्पोत्सव के दौरान ड्रोन लाइट शो की तारीख और उसका समय उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तय किया जाएगा।

> पुष्पोत्सव-2026 के भव्य आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई है। उद्यान विभाग के अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है। इस बार ड्रोन लाइट शो कराया जा रहा है। ड्रोन की मदद से सरकार व प्राधिकरण की उपलब्धियों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा।
>
> *-श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण।*

थीम फ्लावर कैलेंडुला- उद्यान विभाग के अधिकारी के मुताबिक इस बार का थीम फ्लावर कैलेंडुला होगा। सिटी पार्क में कैलेंडुला के 20 हजार से अधिक फूल प्रदर्शित करने के साथ शहर के प्रमुख गोलचक्करों पर भी इस प्रजाति के पौधे लगाए जा रहे हैं।

जड़ों से जुड़े लोग अपनी भाषा में बात करते हैं: ओम बिड़ला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने रविवार को कहा कि जो जड़ों से जुड़े रहते हैं, वो भारत की मिट्टी से जुड़े होते हैं और अपनी भाषा में बात करते हैं। ओम बिड़ला ने यह बात आज दिल्ली स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन के समापन सत्र में कही। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि वैश्विक मंचों पर भी भारतीय भाषाओं में अपनी बात को रखा जाए।

बिड़ला ने भाषा के प्रसार में हिन्दी फिल्मों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि इनकी वजह से भारतीय भाषाएं दुनिया भर में पहुंची हैं। यह सम्मेलन विचारों को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि वर्तमान पीढ़ी को दुनिया की सबसे समृद्ध भाषाओं से कैसे जोड़ा जाए, जिनके हर शब्द में भारत की संस्कृति बसती है। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रवासी भारतीयों की आने वाली पीढ़ियों को भारतीय भाषाएँ सिखाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, ताकि वे अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहें। उन्होंने आग्रह किया कि आगामी बजट सत्र में अधिक से अधिक सांसद अपनी भाषा में बात रखें, जिससे लोकतंत्र के मंदिर से भारतीय भाषाओं का विस्तार हो। सत्र की अध्यक्षता कर रहे आईजीएनसीए के अध्यक्ष एवं पद्म भूषण से सम्मानित प्रख्यात चिंतक राम बहादुर राय ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस आयोजन ने साबित किया है कि भारतीय भाषाओं की एक वैश्विक परिधि है और हिन्दी ही इस परिधि का केंद्र है। राय ने लोकसभा अध्यक्ष की उपस्थिति में भारत सरकार से दो प्रमुख आग्रह किए कि प्रत्येक मंत्रालय में आठवीं अनुसूची की सभी 22 भारतीय भाषाओं के अनुवादक नियुक्त किए जाएं। इसके अलावा, भारत सरकार एक संस्थान बनाए जो भाषा की समायोजना, योजना और समस्याओं को हल करने के लिए विशेषज्ञों को स्थान दे। यह सम्मेलन "भाषाएं, साहित्य, युवा और प्रौद्योगिकी" विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें भारत एवं विदेशों से आए प्रतिष्ठित विद्वानों, लेखकों, भाषाविदों और सांस्कृतिक चिंतकों ने भाग लिया।

समारोह में विशिष्ट अतिथियों में दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, प्रो. रमेश सी. गौर, डीन (प्रशासन), आईजीएनसीए; अनिल जोशी, अध्यक्ष वैश्विक हिंदी परिवार एवं निदेशक अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन; प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी, डीन, भारतीय भाषाएं विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; श्याम परांडे, महासचिव, अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद; ए. विनोद, संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास; तथा विनयशील चतुर्वेदी, निदेशक, वैश्विक हिंदी परिवार शामिल रहे। तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान आयोजित 40 सत्रों, पुस्तक एवं कला प्रदर्शनी, फिल्म प्रदर्शन, नाट्य प्रस्तुति और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए।

दिल्ली में तुर्कमान गेट हिंसा मामले में दो और लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में हुई पत्थरबाजी के मामले में रविवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया, जिसके बाद कुल गिरफ्तार व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी गिरफ्तार लोगों की पहचान मोहम्मद नावेद (44), मोहम्मद फैज (20), मोहम्मद उबैदुल्लाह (23), मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद काशिफ (25), मोहम्मद कैफ (23), मोहम्मद अदनान (37), समीर हुसैन (40), मोहम्मद अतहर (20), शहनवाज आलम (55), मोहम्मद इमरान (28), मोहम्मद इमरान उर्फ राजू (36), मोहम्मद अफ्फान (20), मोहम्मद आदिल (20), मोहम्मद आमिर हमजा (22), मोहम्मद उबैदुल्लाह (26), फहीम (30) और मोहम्मद शहजाद (29) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तुर्कमान गेट के संवेदनशील इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और वहां पुलिस व अर्धसैनिक बल तैनात हैं। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, "इलाके पर कड़ी नजर रखने के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से व्यापक निगरानी की जा रही है। स्थिति शांतिपूर्ण और पूरी तरह नियंत्रण में है।" उन्होंने बताया कि जांच जारी है और डिजिटल सबूतों का विश्लेषण किया जा रहा है।

अधिकारी ने कहा कि इसके साथ ही, हिंसा से जुड़े मामलों में गलत सूचना फैलाने और पत्थरबाजी में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। दिल्ली के रामलीला मैदान क्षेत्र में स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास छह और सात जनवरी की दरम्यानी रात को अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान हिंसा हो गई थी।

इस दौरान कई लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकी थीं, जिसमें क्षेत्र के थाना प्रभारी समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तनाव उस समय फैला जब सोशल मीडिया पर यह दावा किया गया कि तुर्कमान गेट के सामने स्थित मस्जिद को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान तोड़ा जा रहा है। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा होने लगे।

सोमनाथ मंदिर पूर्ण वैभव के साथ विश्व पटल पर प्रतिष्ठित : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत की अक्षय चेतना और सांस्कृतिक स्वाभिमान का शिखर सोमनाथ मंदिर अपने पूर्ण वैभव के साथ विश्व पटल पर प्रतिष्ठित है। इतिहास साक्षी है कि आतताइयों के क्रूर प्रहार और उनके विध्वंसकारी मंसूबे, भारत की सृजनशीलता और अडिग आस्था के हिमालयी संकल्प को कभी डिगा नहीं सके। उन्होंने कहा कि सोमनाथ का यह भव्य स्वरूप लौह पुरुष सरदार पटेल के अटूट प्रण, के.एम. मुंशी की सांस्कृतिक दृष्टि और डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अडिग श्रद्धा का वह प्रतिफल है, जिसे पल्लवित करने में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अतुलनीय समर्पण वंदनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मंदिर परिसर के कायाकल्प और यात्री सुविधाओं की नई रूपरेखा तैयार करने से लेकर, प्रधानमंत्री के रूप में 'समुद्र दर्शन पथ' के निर्माण और सोमनाथ को डिजिटल व आधुनिक बुनियादी ढांचे से जोड़ने तक मोदी जी ने इस तीर्थ को वैश्विक गौरव प्रदान किया है। उनके नेतृत्व में आज का नया भारत, गजनी जैसे आक्रांताओं के धूलधूसरित इतिहास पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण का स्वर्ण-अध्याय लिख रहा है।

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का यह ऐतिहासिक अवसर इस शाश्वत सत्य का उद्घोष है कि अधर्म का अंधकार कितना भी सघन क्यों न हो, धर्म और सत्य का सूर्य सदैव उदित रहता है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता के इस दिव्य कायाकल्प के लिए प्रधानमंत्री का कोटि-कोटि अभिनंदन किया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने नीट-यूजी छात्र को दी राहत, कहा-उच्च शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकार, दाखिला रद नहीं होगा

नई दिल्ली। नीट-यूजी के एक छात्र की याचिका को स्वीकार करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया कि उच्च या प्रोफेशनल शिक्षा पाने का अधिकार किसी व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और इसे कम करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता छात्र हर्षित अग्रवाल को कालेज में उसकी मेरिट के आधार पर एडमिशन दिया गया था और अगर इसे रद किया जाना है, तो इसके लिए कुछ वैध, वास्तविक और ठोस कारण होने चाहिए। पीठ ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने भी माना है कि याची हर्षित अग्रवाल आरोपित नहीं बल्कि केवल एक गवाह था। इससे स्पष्ट होता है कि उसके द्वारा किसी भी कदाचार करने का कोई प्रथम दृष्टया निष्कर्ष नहीं हो सकता।

पीठ ने कहा कि नीट-यूजी की प्रवेश परीक्षा पास करके याचिकाकर्ता को जो कीमती अधिकार मिला है, उसे सुरक्षित करने की जरूरत है, क्योंकि दाखिला रद करने और याचिकाकर्ता का नाम एमबीबीएस पाठ्यक्रम से हटाने का कदम पूरी तरह से गलत वजहों से उसकी पढ़ाई में रुकावट डाल रहा है। उक्त टिप्पणी के साथ अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हर्षित अग्रवाल को करिकुलम के हिसाब से अपनी एमबीबीएस क्लास जारी रखने दें। हर्षित अग्रवाल ने पांच मई 2024 को हुई नीट-यूजी 2024 परीक्षा दी थी। उसे ओडिशा के बालांगीर स्थित भीमा भोई मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला मिला था। उसे आलल इंडिया रैंक 28,106 और जनरल श्रेणी रैंक 11,234 मिली थी। याचिकाकर्ता ने याचिका में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए)को उसे एमबीबीएस क्लास में शामिल होने का निर्देश देने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने कहा कि उसके पक्ष में भी वैसा ही आदेश जारी किया जाए जैसा कि एक दूसरे छात्र को दिया गया था। जिसे उसके साथ ही एमबीबीएस पाठ्यक्रम से निकाले गए छात्रों की लिस्ट में शामिल किया गया था। याचिकाकर्ता को पेपर लीक मामले में सीबीआई द्वारा जांच के बाद नाम हटा दिए गए थे। हर्षित ने तर्क दिया था कि संदिग्ध की सूची में होने के बावजूद भी दूसरे उम्मीदवार को सुप्रीम कोर्ट ने उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने और सेमेस्टर परीक्षा में बैठने की अनुमति दी थी। सीबीआई ने परीक्षा में अनियमितताओं के संबंध में हर्षित अग्रवाल को भी समन भेजा था। हालांकि, उसने एनटीए के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया, लेकिन उसका स्कोरकार्ड वापस ले लिया गया। इसके बाद कालेज ने उसका दाखिला रद कर दिया। सीबीआई ने तर्क दिया कि इस मामले में पहले ही आरोप पत्र दायर किया जा चुका है और याची आरोप पत्र में आरोपित नहीं था और उसे केवल गवाह के रूप में नामित किया गया था।

दिल्ली हाईकोर्ट: पत्नी को कमाने वाली नहीं मान सकते; पति की आय मिनिमम वेज से आंकी जाए

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि अंतरिम भरण-पोषण देते समय यह नहीं माना जा सकता कि पत्नी कमा रही है या अपना खर्च उठाने में सक्षम है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि महिला ने सिर्फ 11वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और बिना किसी सुबूत के पति का सिर्फ दावा इस स्तर पर कोई मदद नहीं कर सकता। पीठ ने कहा कि अदालत की राय है कि अंतरिम भरण-पोषण देने के मकसद से याचिकाकर्ता-पत्नी को कमाने वाली या अपना खर्च उठाने में सक्षम नहीं माना जा सकता। अदालत ने उक्त टिप्पणी पारिवारिक अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। महिला को पारिवारिक अदालत ने प्रति माह 2,500 रुपये का अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश दिया था। पति ने दावा किया कि याचिकाकर्ता पत्नी नर्सरी टीचर के तौर पर काम कर रही थी, लेकिन उसने कोई दस्तावेजी सुबूत रिकॉर्ड पर पेश नहीं किया। पारिवारिक कोर्ट ने मार्च 2024 में महिला की याचिका पर क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धारा 125 (पत्नियों, बच्चों और माता-पिता के भरण-पोषण के लिए आदेश) के तहत उसे हर महीने 2,500 रुपये का अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश दिया था। दोनों की जून 2021 में मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार शादी हुई थी और पत्नी ने दावा किया कि इसके तुरंत बाद उसे ससुराल में दहेज की मांगों को लेकर क्रूरता हुई और 2022 में ससुराल से उसे निकाल दिया गया था। महिला ने कहा कि 2,500 रुपये प्रति माह अपर्याप्त और नाकाफी है। हालांकि, कोर्ट ने पाया कि बताई गई आय एक कुशल व्यक्ति को मिलने वाली मिनिमम वेज से भी कम थी। अदालत ने कहा कि पति की आय का आकलन मिनिमम वेज के आधार पर किया जाना चाहिए, जो उसके लिए 13,200 रुपये थी और अंतरिम भरण-पोषण को उसी हिसाब से बढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ अदालत ने महिला का भरण-पोषण 3,500 रुपये प्रति माह करने का आदेश दिया। अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि महिला का पति उत्तर प्रदेश में रह रहा है और वहां कुशल व्यक्ति पर लागू मिनिमम वेज लगभग 13,200 रुपये प्रति माह थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पति को तीन महीने के अंदर मेंटेनेंस का बकाया चुकाने का भी निर्देश दिया।

न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन पर डीएमआरसी और आरआरटीएस 'नमो भारत' का सफल एकीकरण शुरू

नई दिल्ली। रविवार को न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन पर आरआरटीएस 'नमो भारत' और दिल्ली मेट्रो (डीएमआरसी) के बीच निर्बाध एकीकरण को यात्रियों के लिए खोल दिया गया। यह संयुक्त मार्ग सुबह 8 बजे से 9 बजकर 20 मिनट तक चालू किया गया। इस अवसर पर सीआईएसएफ, डीएमआरसी और एनसीआरटीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ की ओर से वरिष्ठ कमांडेंट अजय, कमांडेंट मानस दे सहित अन्य अधिकारी एवं बल सदस्य मौजूद थे। डीएमआरसी की ओर से स्टेशन मैनेजर प्रदीप कुमार यादव कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं एनसीआरटीसी की ओर से महेंद्र कुमार (डायरेक्टर - डीई एवं आरएस), एम. एस. उपाध्याय (चीफ सिक्योरिटी प्रिंसिपल) तथा कपिल भारद्वाज (असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर) उपस्थित रहे। यह एकीकरण सीआईएसएफ द्वारा तैयार की गई मानक कार्य प्रणाली (एसओपी) के अनुसार किया गया है, जिससे दोनों परिवहन प्रणालियों के बीच सुरक्षा व्यवस्था में एकरूपता, बेहतर समन्वय और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आरआरटीएस 'नमो भारत' परियोजना, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अंतर्गत एनसीआरटीसी द्वारा संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के बीच तेज, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन सुविधा प्रदान करना है। न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन पर हुआ यह सफल एकीकरण भारत की आधुनिक और सुरक्षित शहरी परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

दिल्ली देहात का विकसित दिल्ली लक्ष्य में होगा अहम योगदान : रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली। दिल्ली देहात पूर्ववर्ती सरकार के 11 वर्षों में विकास की दौड़ में पीछे रह गया है, लेकिन अब सरकार ठोस नीति, बेहतर कनेक्टिविटी और खेलों के माध्यम से दिल्ली देहात की सूरत बदलने की योजनाओं पर काम कर रही है। यह बात समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में मीडिया से संवाद के दौरान कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात का विकसित दिल्ली लक्ष्य में अहम योगदान होगा।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि बवाना के पूंठ कला में 7.79 करोड़ रुपये की लागत से नया सामुदायिक केंद्र भवन बनेगा एवं अन्य विकास कार्य होंगे। इंद्राज ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के उलट पिछले 11 माह में दिल्ली की कार्य संस्कृति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तक आम दिल्लीवासी और जनप्रतिनिधियों की सीधी पहुंच है, जो सुशासन का प्रमाण है। इंद्राज ने कहा कि अर्बन एक्सटेंशन रोड के बाद बसों और मेट्रो के विस्तार का लाभ भी दिल्ली देहात क्षेत्र को मिलेगा, जिससे आवागमन सुगम होगा और नए अवसर सृजित होंगे। सरकार का उद्देश्य है कि दिल्ली देहात के हर कोने में लास्ट माइल कनेक्टिविटी हो। उन्होंने कहा कि पोषण के लिए अटल कैंटीन, इलाज के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लाभ देहात क्षेत्र एवं जेजे कॉलोनी को भी मिल रहा है। इन क्षेत्रों में बुनियादी विकास के लिए 700 करोड़ रुपये की योजनाओं के अलावा एससी बस्ती सुधार योजना का लाभ भी मिल रहा है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड को पुनर्जीवित कर 1715 करोड़ रुपये की 776 विकास परियोजनाओं पर कार्य होंगे। समाज कल्याण मंत्री ने बवाना स्टेडियम में आयोजित दिल्ली मास्टर्स एथलेटिक्स मीट के अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साह भी बढ़ाया। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की सौगात देने की योजनाओं पर काम कर रही है। इससे न केवल युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, बल्कि दिल्ली देहात की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के ओलम्पिक एवं पैरा-ओलंपिक खेलों के स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 7 करोड़, 5 करोड़ और 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने के फैसले से भी खिलाड़ियों में उत्साह है। यह देश में सर्वाधिक पुरस्कार राशि है। कैबिनेट मंत्री ने पंजाबी वेलफेयर सोसायटी, रोहिणी सहित उत्तर पश्चिमी दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में मकर संक्रांति एवं लोहड़ी को लेकर विभिन्न आयोजनों में सहभागिता कर दिल्ली वासियों को शुभकामनाएं दीं।

समाज कल्याण मंत्री उत्तर-पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र में गो सेवा के लिए निजी एम्बुलेंस सेवा के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गो सेवा हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

दिल्ली पुलिस का 'आईज़ एंड ईयर्स' जनसंपर्क अभियान, हजारों लोग हुए शामिल

नई दिल्ली। आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनज़र दिल्ली पुलिस ने 11 जनवरी को राजधानी भर में "आईज़ एंड ईयर्स" योजना के तहत व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया। जिलों, मेट्रो और आईजीआईए इकाइयों के सभी पुलिस थानों में हुए इस अभियान में हजारों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आरडब्लूए, एमडब्लूए, होटल मालिक, सेकेंड हैंड कार डीलर, सब्जी-फल विक्रेता, सुरक्षा गार्ड, पोर्टर समेत विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। लोगों को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया। एसीपी रंजय आत्रिश्य और एसीपी कैलाश बिष्ट द्वारा संयुक्त चर्चा का लाइव प्रसारण दिल्ली पुलिस के यूट्यूब चैनल पर किया गया। आरडब्ल्यूएएस को सीसीटीवी, किरायेदार सत्यापन पर जोर दिया गया, वहीं होटल मालिकों, सिम विक्रेताओं, कार डीलरों, पार्किंग अटेंडेंट और केमिकल दुकानदारों को नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में 112 और 'आईज़ एंड ईयर्स' हेल्पलाइन 14547 की जानकारी दी गई। यह पहल दिल्ली पुलिस की सामुदायिक सहभागिता और सुरक्षा को मज़बूत करने की दिशा में अहम कदम है।

एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर केबल कटने से मेट्रो सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब असामाजिक तत्वों द्वारा सिग्नलिंग केबल काटे जाने से मेट्रो सेवाएं प्रभावित हो गईं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के अनुसार यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 से नई दिल्ली के बीच चलने वाली इस लाइन पर धौला कुआं और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन के बीच करीब 800 मीटर लंबी सिग्नलिंग केबल क्षतिग्रस्त कर दी गई।

डीएमआरसी ने बताया कि चोर केबल काटने में तो सफल रहे, लेकिन वे उसे चोरी कर ले जाने में नाकाम रहे। निरीक्षण के दौरान कटे हुए केबल मेट्रो पिलरों के पास ही पड़े मिले। इस घटना के चलते सिग्नलिंग सिस्टम प्रभावित हुआ है, जिसके कारण धौला कुआं से शिवाजी स्टेडियम के बीच नई दिल्ली की ओर जाने वाली अप लाइन पर ट्रेनों की गति एहतियातन घटाकर 25 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। हालांकि, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के बाकी हिस्सों में मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) अनुज दयाल ने बताया कि आमतौर पर एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर हर 10 मिनट में ट्रेन उपलब्ध रहती है। उन्होंने कहा कि दिन के समय सिग्नलिंग केबल बदलने से यात्रियों को अधिक परेशानी हो सकती है, इसलिए मरम्मत और केबल बदलने का काम रात में, राजस्व सेवाएं समाप्त होने के बाद किया जाएगा। इसके लिए दिन में सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। यात्रियों को स्थिति से अवगत कराने के लिए स्टेशनों और ट्रेनों में लगातार घोषणाएं की जा रही हैं।

डीएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना उसी अनुसार बनाएं, क्योंकि प्रभावित सेक्शन में सफर में थोड़ा अतिरिक्त समय लग सकता है। डीएमआरसी ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि इस तरह की केबल चोरी न सिर्फ मेट्रो परिचालन को बाधित करती है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए भी गंभीर चुनौती है। मेट्रो प्रशासन ने बताया कि मामले को लेकर कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

जम्मू-कश्मीर अंचल क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर अंचल क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का आयोजन एस.डी.जी. प्रांगण में सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर अंचल की विभिन्न टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला नौनी सेक्टर (NS) और कश्मीर सेक्टर के बीच खेला गया।

फाइनल मैच में नौनी सेक्टर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए कश्मीर सेक्टर की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 152 रन ही बना सकी। इस प्रकार नौनी सेक्टर ने फाइनल मुकाबला 32 रनों से जीतकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए नरेश को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट खेल के लिए अभिषेक शर्मा को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। फाइनल मुकाबले के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में किशोर प्रसाद, पुलिस उप महानिरीक्षक (DIGP) दिल्ली रेंज उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि महोदय ने विजेता व उपविजेता टीमों तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस संपूर्ण प्रतियोगिता का सफल आयोजन 122वीं वाहिनी केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में 122वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी पवन कुमार, नीरज कुमार सहित अन्य अधिकारियों एवं जवानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता के दौरान सभी जवानों ने अनुशासन, एकता और खेल भावना का परिचय देते हुए कार्यक्रम को यादगार बनाया।

संपादकीय

अखबार पढ़ने की संस्कृति

ऐसे दौर में जब बच्चे डिजिटल मीडिया को अंतिम सत्य मानने लगे हैं, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य बनाना एक सुखद अहसास ही है। सुबह की प्रार्थना के दौरान दस मिनट तक राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय खबरें व संपादकीय पढ़ना अनिवार्य किया गया है। बाकायदा रोज पांच कठिन शब्द अर्थ के साथ ब्लैकबोर्ड पर दर्ज होंगे। निश्चय ही इस प्रयास से जहां बच्चों में पढ़ने की संस्कृति, शब्द व सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, वहीं उनके स्क्रीन टाइम में कमी आ सकेगी। निर्विवाद रूप से इससे धीरे–धीरे छात्रों की पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। बच्चे पढ़ने की संस्कृति से जुड़कर भावनात्मक, बौद्धिक व सामाजिक सरोकारों से समृद्ध होंगे। बहुत संभव है कि यदि इस अभियान को निरंतरता के साथ चलाया जाता रहा तो बच्चे पुस्तकालयों में रुचि लेने लगेंगे। विडंबना यह है कि आज बच्चों की उंगलियां पुस्तकों के पन्ने पलटने के बजाय मोबाइल के की–बोर्ड पर थिरकती रहती हैं। चिंताजनक स्थिति है कि भारत में पांच साल तक के बच्चे भी रोज दो घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। एक सर्वे में चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि दो साल जैसी कम उम्र के बच्चे भी रोज 1.2 घंटे स्क्रीन पर लगाते हैं। गंभीर स्थिति यह है कि एक चौथाई बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच है। ऐसे वक्त में जब आस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच को रोका गया है, भारत में दस साल से कम उम्र के बच्चों तक के सोशल मीडिया अकाउंट बने हुए हैं। निस्संदेह, बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम से अलग भी पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। तमाम सर्वे बता रहे हैं कि आज भी अखबार भरोसेमंद सूचना माध्यम हैं। कई चरणों में संपादकीय मंडल खबरों को सुरक्षित तरीके से जांच कर प्रकाशित करता है। यूं तो कथित सोशल मीडिया पर सूचनाओं का अंबार लगा है, लेकिन संपादक नामक संस्था के न होने से उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। निहित स्वार्थी तत्व भ्रामक सूचनाएं लगातार प्रसारित करते रहते हैं। निस्संदेह, बच्चे जब अखबार पढ़ेंगे तो अखबारों के संपादकीय व लेख पढ़कर वे अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे। साथ ही उनकी भाषा समृद्ध होगी। आजकल के छात्रों के सबसे कम नंबर मातृभाषा में ही आते हैं। संकट यह भी है कि आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की मासूमियत छीन रहे हैं और उन्हें समय से पहले वयस्क बना रहे हैं। शिक्षकों की उपस्थिति में अखबारों के जरिये मिलने वाली प्रामाणिक जानकारी उनकी सकारात्मक सोच को विकसित करेगी। बच्चों की पढ़ने की यह आदत तब और विकसित होगी, जब अभिभावक भी बच्चों को घर में पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करेंगे। यहां यह भी जरूरी है कि बच्चों के लिये स्कूलों में शुरू हुआ यह अभियान निरंतरता के साथ चलता रहे।

युवा चेतना के संवाहक स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद को युवा चेतना का संवाहक कहे तो अतिश्योक्ति नही होगी। विवेकानंद संसार की एक ऐसी दिव्य विभूति हुई है जिन्होंने अपने अल्पायु जीवन मे कई जन्मों का सार्थक काम कर युवाओं के सामने एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया था। स्वामी विवेकानंद न सिर्फ एक व्यक्ति रहे है बल्कि वे एक सार्थक सोच के धनी रहे है, एक विचारशील व्यक्तित्व रहे है, स्वयं में एक क्रांतिदूत रहे है, जिन्होंने नवनिर्माण व नवराष्ट्र की सोच विकसित की। वे नैतिक मूल्यों के विकास एवं युवा चेतना के जागरण हेतु प्रतिबद्ध रहे तो मानवीय मूल्यों के पुनरुत्थान के सजग प्रहरी, अध्यात्म दर्शन और संस्कृति को जीवंतता देने वाली संजीवनी बूटी भी उन्हें कहा जा सकता है। विवेकानंद वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हुए। स्वामी विवेकानन्द आज भी देश ही नही दुनियाभर के युवाओं के आदर्श कहे जा सकते हैं। उनकी सोच रही कि युवको को शारीरिक प्रगति से ज्यादा आंतरिक प्रगति की आवश्यकता है। उन्होंने युवकों को प्रेरणा देते हुए कहा था कि पहले हर अच्छी बात का मजाक बनता है, फिर उसका विरोध होता है और अंत में उसे स्वीकार कर लिया जाता है।

-डॉ. श्रीगोपाल नारसन-

पु स्वामी विवेकानंद को युवा चेतना का संवाहक कहे तो अतिश्योक्ति नही होगी। विवेकानंद संसार की एक ऐसी दिव्य विभूति हुई है जिन्होंने अपने अल्पायु जीवन मे कई जन्मों का सार्थक काम कर युवाओं के सामने एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया था। स्वामी विवेकानंद न सिर्फ एक व्यक्ति रहे है बल्कि वे एक सार्थक सोच के धनी रहे है, एक विचारशील व्यक्तित्व रहे है, स्वयं में एक क्रांतिदूत रहे है, जिन्होंने नवनिर्माण व नवराष्ट्र की सोच विकसित की। वे नैतिक मूल्यों के विकास एवं युवा चेतना के जागरण हेतु प्रतिबद्ध रहे तो मानवीय मूल्यों के पुनरुत्थान के सजग प्रहरी, अध्यात्म दर्शन और संस्कृति को जीवंतता देने वाली संजीवनी बूटी भी उन्हें कहा जा सकता है। विवेकानंद वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हुए। स्वामी विवेकानन्द आज भी देश ही नही दुनियाभर के युवाओं के आदर्श कहे जा सकते हैं। उनकी सोच रही कि युवको को शारीरिक प्रगति से ज्यादा आंतरिक प्रगति की आवश्यकता है। उन्होंने युवकों को प्रेरणा देते हुए कहा था कि पहले हर अच्छी बात का मजाक बनता है, फिर उसका विरोध होता है और अंत में उसे स्वीकार कर लिया जाता है। वे युवकों में जोश भरते हुए कहा करते थे कि उठो मेरे शेरों ! इस भ्रम को मिटा दो कि तुम निर्बल हो। जो तुम सोचते हो वह हो जाओगे। ऐसी ही कुछ प्रेरणाएं हैं जो आज भी युवकों को आन्दोलित करती हैं, सतपथ दिखाती हैं और जीवन जीने का दर्शन बोध कराती हैं।

रामकृष्ण परमहंस के शिष्य स्वामी विवेकानंद एक ऐसे युवा संत हुए जिनका रोम–रोम राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत था। राष्ट्र के दीन–हीनजनों की सेवा को ही वे ईश्वर की सच्ची पूजा मानते थे। इस युवा संन्यासी ने निजी मुक्ति को जीवन का लक्ष्य नहीं बनाया था, बल्कि करोड़ों देशवासियों के

उत्थान को ही अपना जीवन–लक्ष्य बनाया। उनके सदवचन, किसी की भी जिंदगी परिवर्तित कर सकते है। उनके शब्दों में, ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वे स्वयं को स्वयं से मिलाते हुए कहते है कि वह हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। जिस तरह से विभिन्न स्त्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग चाहे वह अच्छा हो या बुरा, भगवान तक जाता है।

किसी की निंदा न करें। अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो जरूर बढ़ाएं। अगर नहीं बढ़ा सकते हैं, तो अपने हाथ जोड़िए, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिए और उन्हें उनके मार्ग पर जाने दीजिए। आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है; ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं। अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है अन्यथा ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाए, उतना बेहतर है। जिस समय जिस काम के लिए प्रतिज्ञा करो, ठीक उसी समय पर उसे करना ही चाहिए, नहीं तो लोगों का विश्वास उठ जाता है। उस व्यक्ति ने अमरत्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता।

हम वह हैं, जो हमें हमारी सोच ने बनाया है इसलिए इस बात का ध्यान रखिए कि आप क्या सोचते हैं। उनकी दृष्टि में, शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं। जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते, तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं। जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे रहे हैं। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है, लेकिन जो दुसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में अच्छा जीवन जीते हैं। उन्हें भगवान की एक परम प्रिय आत्मा के रूप में पूजा जाना चाहिए, इस या अगले जीवन की सभी चीजों से बढ़कर, स्वयं में विश्वास करना और अधिक विस्तार से पढ़ाया और अभ्यास कराया गया होता, तो उन्हें यकीन था कि बुराइयों और दुःख का एक बहुत बड़ा हिस्सा गायब हो गया होता है। बाहरी स्वभाव अंदरुनी स्वभाव का ही बड़ा रूप है। हम जितना ज्यादा बाहर जाएं और दूसरों का भला करें, हमारा हृदय उतना ही शुद्ध व मजबूत होगा।

स्वामी विवेकानंद का वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् सन 1893में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। भारत का आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वेदान्त दर्शन अमेरिका और यूरोप के हर एक देश में स्वामी विवेकानन्द के कारण ही पहुँचा। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी, यह संस्थाआज भी सक्रिय है। वे रामकृष्ण परमहंस के परमशिष्य थे।

कोलकत्ता के एक कुलीन परिवार में जन्मे स्वामी विवेकानंद आरंभ से ही आध्यात्मिकता की ओर झुके हुए थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे। वे मानव जाति की सेवा को परमात्मा की सेवा मानते थे। स्वामी रामकृष्ण की मृत्यु के बाद विवेकानंद ने भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा किया और ब्रिटिश भारत में मौजूदा स्थितियों का प्रत्यक्ष ज्ञान हासिल किया। उन्होने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धांतों का प्रचार प्रसार किया और कई सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया। तभी तो आज भी स्वामी विवेकानंद को लोग उनके काम से जानते है। उनकी आध्यात्मिक शक्ति को पहचानते है और युवाओं के लिए उन्हें प्रेरक मानते है। स्वामी विवेकानंद होने का अर्थ ही मानव कल्याण है और मानव कल्याण के मूल में सर्वप्रथम है सत्य का बोध, वही से सदपथ पर चलकर नही पीढ़ी के प्रेरक स्वामी विवेकानंद बन पाए। जिन्हें युवाओं के प्रेरक के रूप में सदा याद किया जाएगा।

दुनिया में मंदीः भारत में आर्थिक मजबूती की रोशनी

-ललित गर्ग-

11 वैश्विक चुनौतियों, भू–राजनीतिक तनावों, युद्धों, महामारी के पश्चात बनी अस्थिरताओं, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महँगाई के दबावों के बीच जब दुनिया की अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ लड़खड़ा रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े आँकड़े आशा, भरोसे और आत्मविश्वास की एक सशक्त किरण बनकर उभरे हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है लगभग 7.4 प्रतिशत की विकास दर पर कायम रहना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों की दृढ़ता, दूरदर्शिता, पारदर्शिता और संतुलन का प्रमाण है। जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा।

ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास–यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें ज़मीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। जिससे कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है।

जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024–25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि का मूल आधार 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' रहा है। वस्तु एवं सेवा कर जैसे बड़े सुधारों ने भारतीय बाज़ार को एकीकृत किया, व्यापार को सुगम बनाया और कर–संग्रह की पारदर्शिता बढ़ाई। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद, आज जीएसटी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी आधार बन चुका है। इसके साथ ही दिवालियापन एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों की स्थिति को मजबूत किया, जिससे फंसे हुए ऋणों की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगा।

बैंकिंग प्रणाली की यह मजबूती ही है, जिसने निवेश और उद्यमिता को नई ऊर्जा दी है। मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि उसने घरेलू मांग को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र और मध्यम वर्ग को सहारा देने वाली योजनाओं ने उपभोग को बनाए रखा। बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश ने न केवल रोज़गार के अवसर पैदा किए, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद की। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क–इन सभी क्षेत्रों में हुए विस्तार ने भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा कारण उसकी संतुलित विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ व्यावहारिक संबंध भी हैं। जहां एक ओर भारत ने विकसित देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सुदृढ़ किया, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया।

यह संतुलन भारत को बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखता है। ऊर्जा, रक्षा, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने भी भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत की अर्थव्यवस्था में नवाचार और उद्यमिता की नई लहर पैदा की। आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ई–कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हुए नवाचार न केवल घरेलू बाज़ार को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान बना रहे हैं। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाया, जिससे आर्थिक गतिविधियों का दायरा विस्तृत हुआ और पारदर्शिता में सुधार आया। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को सामाजिक कल्याण से अलग नहीं किया। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली योजनाओं ने सामाजिक स्थिरता को बनाए रखा, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य होती है। सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति ने एक ऐसी नींव तैयार की, जिस पर टिकाऊ विकास संभव हो सका। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और विश्वास कमजोर नहीं पड़ा। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह स्थिति केवल वर्तमान उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत है। वर्ष 2047, जब भारत अपनी आज़ादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब दुनिया की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित यात्रा का परिणाम प्रतीत होता है।

जनसांख्यिकीय लाभ, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक स्थिरताकृये सभी तत्व भारत को इस लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं। निस्संदेह चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक परिस्थितियां कभी भी अचानक बदल सकती हैं, जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू–राजनीतिक तनाव नई कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। लेकिन जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है, वह यह भरोसा देता है कि देश आगे भी संतुलन बनाए रखते हुए प्रगति करता रहेगा। 7.4 प्रतिशत की विकास दर केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन से मिलती है भूत–प्रेत की बाधाओं से मुक्ति

देश में हनुमान जी को समर्पित कई मंदिर हैं, जिनका विशेष महत्व है और बजरंगबली के दर्शनों के लिए अधिक संख्या में भक्त पहुंचते हैं। एक ऐसा ही मंदिर राजस्थान के दोसा जिले में है। जो कई रहस्यों और मान्यताओं से भरा हुआ है। ऐसे में आइए जानते हैं मेहंदीपुर बालाजी से जुड़े रहस्यों के बारे में। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर राजस्थान के जिले दौसा में स्थित है। पहले के समय यहां पर घना जंगल हुआ करता था और जंगली जानवर रहा करते थे। यह मंदिर कई खास रहस्यों से भरा हुआ है। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर दो पहाड़ों के बीच स्थित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में विराजमान बालाजी भगवान की प्रतिमा को किसी ने नहीं बनाया है बल्कि प्रतिमा स्वयं प्रकट हुई है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सैकड़ों साल पहले बालाजी महाराज दो पहाड़ियों के बीच एक दैवीय लीला से स्वयं प्रकट हुए थे। प्राकट्य के बाद से ही बालाजी महाराज की पूजा–अर्चना की जा रही है।

धर्मकर्म

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में भूत–प्रेत की बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए कीर्तन होता है, जिसमें अधिक संख्या में भक्त शामिल होते हैं। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर हनुमान जी का बाल रूप में विराजमान हैं, जिनकी रोजाना विशेष पूजा–अर्चना होती है और इस मंदिर में भूत–प्रेत की बाधा से छुटकारा पाने के लिए बालाजी महाराज जी से प्रार्थना की जाती है और भक्तों को नकारात्मक शक्तियों से रक्षा और आशीर्वाद प्राप्त होता है। मंदिर में बालाजी महाराज जी की सुबह और शाम आरती होती है। इस दौरान बजरंगबली को चोला और लड्डू का भोग अर्पित किया जाता है। इस मंदिर से प्रसाद घर नहीं लाना चाहिए। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन श्रद्धालु को करना पड़ता है। एक बात का खास ध्यान रखें कि मेहंदीपुर बालाजी मंदरी से प्रसाद को घर नहीं लाना चाहिए। इसके अलावा मंदिर से खाने की कोई भी चीज लाने की मनाही है। मंदिर जाने से पहले करीब एक सप्ताह पहले से ही प्याज, लहसुन, मांस और मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए और ब्रह्मचर्य के नियम का पालन करें।

आज का इतिहास

1998 19 यूरोपीय राष्ट्र मानव क्लोनिंग को मना करने के लिए सहमत हुए।

2004 दुनिया के सबसे बड़े समुद्री जहाज, आरएमएस क्वीन मैरी 2 ने अपनी पहली यात्रा की शुरूआत की।

2005 केप कैनावेरल ने डीप इम्पैक्ट अंतरिक्ष यान के रूप में जाने वाले अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने का फैसला किया।

2007 धूमकेतु मैकनेथ पेरिहेलियन तक पहुंच गया और 40 से अधिक वर्षों में –5.5 की स्पष्ट परिमाण के साथ सबसे तेज धूमकेतु बन गया।

2010 7.0 की तीव्रता के भूकंप के कारण, पोर्ट–ए–प्रिंस राजधानी शहर हैती का विनाशकारी भूकंप से पीड़ित था। और यह अनुमान लगाया गया था कि 15000 लोग मारे गए थे।

2010 हैती में आए भूकंप में 2,30,000 लोग मारे गए। इसमें शहर का एक बड़ा हिस्सा तबाह हो गया।

2011 विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आर्टेमिसिन–प्रतिरोधी मलेरिया के प्रसार को रोकने और इसके बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक योजना शुरू की।

2012 इजरायल के सुप्रीम कोर्ट ने फिलिस्तीनियों को इजरायल से शादी करने से रोकने के लिए एक कानून रखा है जिससे फिलिस्तीनियों लोगो को नागरिकता न मिल सके।

2012 बर्मी सरकार और करेन विद्रोहियों ने स्थिति को स्थिर करने के लिए, उनके बीच युद्ध विराम पर हस्ताक्षर किए।

2013 काउंटी विकलो, आयरलैंड में आयरिश पर्वतारोही, इयान मैककीवर के लिए अंतिम संस्कार हुआ हैं। किलिमंजारो पर्वत पर बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई।

2014 '12 वर्ष एक दास 'को 71 वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ चलचित्र के रूप में सम्मानित किया गया। अमेरिकन हसल को अभिनेत्री एमी एडम्स के साथ 'बेस्ट मोशन पिक्चर- म्यूजिकल या कॉमेडी अवार्ड' भी मिला।

2015 कैमरून में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड में आतंकवादी संगठन बोको हराम के 143 आतंकवादी मारे गये।

मकर संक्रांतिः पतंगबाज़ी, आनंद, संस्कृति और चेतना

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भू मकर संक्रांति का पर्व भारतीय संस्कृति में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन, सामाजिक सहभागिता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह वह समय है जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर अग्रसर होता है और प्रकृति के साथ–साथ मानव जीवन में भी नई ऊर्जा का संचार होता है। इस पर्व से जुड़ी पतंगबाज़ी की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जिसने समय के साथ स्वयं को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य संबंधी आयामों को भी अपने भीतर समाहित किया है। आज पतंग उड़ाना सिर्फ़ छतों पर खड़े होकर डोर खींचने का खेल नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, मानसिक प्रसन्नता और शारीरिक सक्रियता का प्रतीक बन चुका है।

पतंग उड़ाने की परंपरा भारत में अत्यंत प्राचीन मानी जाती है। ऐतिहासिक संदर्भों और लोककथाओं में इसके उल्लेख मिलते हैं। कभी यह राजदरबारों में कौशल और रणनीति का प्रतीक रही, तो समय के साथ आम जनजीवन में रच–बस गई। मकर संक्रांति, बसंत पंचमी और अन्य पर्वों पर आसमान का रंग–बिरंगी पतंगों से भर जाना, भारतीय समाज की सामूहिक चेतना और उत्सवधर्मिता को दर्शाता है। हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक बड़े सामाजिक आयोजन का रूप ले लेता है। पतंगबाज़ी का सबसे सुंदर पक्ष उसका सामाजिक स्वरूप है। यह लोगों को घरों से बाहर निकालकर एक–दूसरे से जोड़ती है। छतों के बीच संवाद, बच्चों की खिलखिलाहट, युवाओं की प्रतिस्पर्धा और बुज़ुर्गों की स्मृतियों से उपजी मुस्कान–ये सभी दृश्य इस पर्व को जीवंत बनाते हैं। "वो काटा' वो मारा" की गूंज केवल खेल का उत्साह नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता की आवाज़ होती है। आज के समय में, जब सामाजिक संवाद सिमटता जा रहा है, ऐसे पर्व मानवीय रिश्तों को सहेजने का अवसर प्रदान करते हैं।

मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित पतंग महोत्सवों और सामूहिक आयोजनों ने इस परंपरा को नए आयाम दिए हैं। कई स्थानों पर स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएँ मिलकर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती हैं, जिनका उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना भी होता है। इन आयोजनों में महिलाएँ, बच्चे और बुज़ुर्ग समान रूप से भाग लेते हैं, जिससे यह पर्व किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर समाज के हर हिस्से का उत्सव बन जाता है। अक्सर पतंगबाज़ी को केवल मौसमी खेल समझ लिया जाता है, लेकिन इसके स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी कम नहीं हैं। पतंग उड़ाते समय शरीर के कई अंग सक्रिय रहते हैं। हाथों, कंधों और आँखों का समन्वय होता है, जिससे शारीरिक सक्रियता बनी रहती है। खुले वातावरण में समय बिताने से शरीर को सूर्य की ऊर्जा मिलती है और मानसिक थकान कम होती है। चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे सामूहिक और आनंददायक आयोजन तनाव को कम करने में सहायक होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पतंग उड़ाना अत्यंत उपयोगी है। खुले आसमान में रंग–बिरंगी पतंगों को उड़ते देखना मन को प्रसन्नता और शांति देता है। यह व्यक्ति को वर्तमान क्षण से जोड़ता है और एक प्रकार के सहज ध्यान का अनुभव कराता है। आज के तेज़ रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में ऐसे अनुभव मानसिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बच्चों के लिए पतंगबाज़ी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया भी है। इससे उनमें धैर्य, संतुलन, समन्वय और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। हवा की दिशा को समझना, डोर का सही तनाव बनाए रखना और सही समय पर निर्णय लेना–ये सभी कौशल बच्चों की निर्णय क्षमता को मजबूत करते हैं। साथ ही, जब यह गतिविधि परिवार के साथ मिलकर की जाती है, तो बच्चों में सामाजिक मूल्य और सांस्कृतिक जुड़ाव भी गहराता है। हालाँकि, जहाँ पतंगबाज़ी आनंद और उत्साह का पर्व है, वहीं इससे जुड़ी सुरक्षा चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। बीते वर्षों में चाइनीज़ मांझा और नायलॉन डोर के प्रयोग से कई गंभीर दुर्घटनाएँ हुई हैं। यह न केवल मनुष्यों के लिए, बल्कि पक्षियों और अन्य जीव–जंतुओं के लिए भी घातक सिद्ध हुआ है। सड़क दुर्घटनाएँ, गले में कट लगने की घटनाएँ और पक्षियों की मौत–ये सभी इस परंपरा के विकृत स्वरूप की ओर संकेत करते हैं। सरकार और प्रशासन द्वारा इस दिशा में नियम बनाए गए हैं, लेकिन केवल नियम पर्याप्त नहीं हैं। समाज में जागरूकता फैलाना और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। सूती डोर का उपयोग, खुले और सुरक्षित स्थानों का चयन, बच्चों की निगरानी और समय–सीमा का ध्यान–ये सभी कदम पतंगबाज़ी को सुरक्षित बना सकते हैं। यह ज़रूरी है कि उत्सव की खुशी किसी के लिए दुख का कारण न बने।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी पतंगबाज़ी पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। पतंगों के अवशेष पेड़ों, बिजली के तारों और सड़कों पर फँसकर पर्यावरण के लिए समस्या बन जाते हैं। प्लास्टिक और नायलॉन से बनी पतंगें लंबे समय तक नष्ट नहीं होतीं और जीव–जंतुओं के लिए खतरा पैदा करती हैं। ऐसे में पर्यावरण–अनुकूल पतंगों और प्राकृतिक रंगों के उपयोग को बढ़ावा देना समय की माँग है। कई सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी समूह इस दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं। वे बच्चों और युवाओं को सुरक्षित और पर्यावरण–संवेदनशील पतंगबाज़ी के लिए प्रेरित कर रहे हैं। स्कूलों और सामाजिक मंचों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि परंपरा और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे। बदलते समय के साथ पतंगबाज़ी का स्वरूप भी बदल रहा है। अब यह केवल छतों तक सीमित नहीं रही। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसे एक वैश्विक पहचान दी है। पतंग महोत्सवों की तस्वीरें और वीडियो दुनिया भर में साझा किए जा रहे हैं। विदेशों में बसे भारतीय समुदाय भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उत्सव आयोजित कर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हैं। यह परिवर्तन दर्शाता है कि परंपराएँ स्थिर नहीं होतीं, वे समय के साथ स्वयं को ढालती हैं। पतंगबाज़ी भी इसी परिवर्तन का उदाहरण है, जहाँ परंपरा, मनोरंजन, स्वास्थ्य और आधुनिकता एक साथ उड़ान भरते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि आनंद और जिम्मेदारी एक–दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

अंततः, मकर संक्रांति और उससे जुड़ी पतंगबाज़ी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन को उत्सव की तरह देखने का दृष्टिकोण है। यह हमें सामूहिकता, संतुलन और आनंद का महत्व समझाती है। जब हम परंपरा को समझदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनाते हैं, तो वह अतीत की स्मृति भर नहीं रहती, बल्कि वर्तमान और भविष्य की प्रेरणा बन जाती है। आसमान में उड़ती पतंगें हमें यही संदेश देती हैं कि सीमाएँ केवल ज़मीन पर होती हैं, सपनों के लिए आकाश हमेशा खुला रहता है–बस डोर थामने का हुनर और संतुलन बनाए रखने की समझ होनी चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम से किया विधानसभा चुनाव अभियान का आग़ाज़

केरल में केवल वोट प्रतिशत बढ़ाना लक्ष्य नहीं, भाजपा का होगा मुख्यमंत्री : शाह

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीखों का भले ही अभी ऐलान नहीं हुआ हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को तिरुवनंतपुरम पहुंचे और पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कर चुनाव की रणनीति पर मंथन किया।

उनके इस दौरे को केरल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव अभियान की औपचारिक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में दावा किया कि वर्ष 2026 में केरल की राजनीति में बड़ा बदलाव होगा और राज्य को भाजपा का मुख्यमंत्री मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाल के स्थानीय निकाय चुनाव में तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि केरल बदलाव की ओर अग्रसर है। उन्होंने "अब केरल की बारी है" के नारे के साथ विधानसभा चुनाव अभियान का आग़ाज़ किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि केरल में भाजपा का वोट शेयर लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2014 में जहां यह 11 प्रतिशत था, वहीं 2024 में बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया है।

उन्होंने लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 40 प्रतिशत तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भाजपा ने देश के कई राज्यों में छोटी शुरुआत से सत्ता तक का सफर तय किया है और केरल भी इसका अपवाद नहीं होगा। गृह मंत्री ने कहा कि केरल की अर्थव्यवस्था अब भी काफी हद तक प्रवासी भारतीयों की कमाई पर निर्भर है और राज्य में वास्तविक विकास तथा औद्योगिक क्रांति केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही संभव है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने वामपंथी और कांग्रेस नीत मोर्चों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल सांप्रदायिक और राष्ट्र-विरोधी ताकतों का सामना करने में विफल रहे हैं, जबकि केवल भाजपा ही सुरक्षित और मजबूत केरल सुनिश्चित कर सकती है। अमित शाह ने कहा कि उन्होंने पहले वादा किया था कि यदि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा का मेयर बनेगा, तो वे श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसी क्रम में उन्होंने रविवार सुबह मंदिर में पूजा-अर्चना की। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने कहा कि भगवान के आशीर्वाद से केरल में परिवर्तन की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा श्रद्धालुओं के अधिकारों की रक्षा के लिए आगे रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार वक्फ भूमि विवादों में ईसाई और हिंदू परिवारों को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की नीति "सबके लिए न्याय, किसी के लिए तुष्टीकरण नहीं" की है, जिसे केरल की जनता स्वीकार करेगी। एक दिन के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री शाह ने तिरुवनंतपुरम में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। इससे पहले सुबह उन्होंने श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में दर्शन किए।

इसके बाद कौडियार स्थित उदय पैलेस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित स्थानीय स्वशासन निकायों के दो हजार से अधिक नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के राज्य सम्मेलन को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने केरल कौमुदी की 114वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित "नव भारत, नव केरलम" कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया। इसके अलावा भाजपा राज्य कार्यालय में राजग नेताओं की बैठक और भाजपा राज्य कोर कमेटी की बैठक में हिस्सा लिया, जहां सीट बंटवारे और आगामी चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार शाम को ही नई दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

अमित शाह ने श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां स्थित प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उनका यह दौरा तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा के महापौर पद पर जीत हासिल करने के लिए आभार व्यक्त करने के वास्ते था। शाह शनिवार रात एक दिवसीय दौरे पर केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचे और उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और जिला अध्यक्ष करमना जायन के साथ आज सुबह मंदिर में दर्शन किए। पारंपरिक धोती और कसवु (रेशमी) शॉल पहने शाह का मंदिर के अधिकारियों और त्रावणकोर शाही परिवार के सदस्य आदित्य वर्मा ने मंदिर में स्वागत किया। दौरे के बाद मंदिर के अधिकारियों ने उन्हें उपहार भेंट किए, जिनमें भगवान श्री पद्मनाभ को समर्पित एक औपचारिक चित्रित धनुष 'ओनाविल्लू' भी शामिल था। केंद्रीय मंत्री के दौरे के दौरान मंदिर और उसके परिसर में प्रतिबंध लगाए गए थे और कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। शाह की सदियों पुराने इस मंदिर की यात्रा 14 जनवरी को होने वाले 'लक्षदीपम' अनुष्ठान से पहले हुई है, जो मंदिर में हर छह साल में एक बार आयोजित होने वाला एक शुभ अनुष्ठान है, जिसके दौरान हजारों तेल के दीपक जलाए जाते हैं। बाद में नव निर्वाचित भाजपा पार्षदों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वह केरल में श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में धन्यवाद अर्पित करने आए हैं और तिरुवनंतपुरम नगर निगम में पार्टी के महापौर का पद जीतने पर यहां वापस आने के अपने वादे को पूरा कर रहे हैं।

आरएसएस 15 जनवरी से देशव्यापी 'हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेगा

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता संगठन की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 15 जनवरी से देश भर में 'हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेंगे। आरएसएस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आरएसएस ने देश भर में एक लाख से अधिक ऐसे सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य रखा है जिनमें से लगभग 2,000 सम्मेलन ब्रज क्षेत्र में आयोजित किए जाएंगे।

आरएसएस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा शताब्दी वर्ष को 'समाज उत्सव' के रूप में मनाने और संपूर्ण हिंदू समाज को एकजुट करने के आह्वान के बाद पिछले वर्ष विजयदशमी के अवसर पर सम्मेलनों की इस श्रृंखला की शुरुआत की गई थी। ब्रज प्रांत के प्रचार प्रमुख कीर्ति कुमार ने कहा, "इन सम्मेलनों का उद्देश्य संपूर्ण हिंदू समाज को एक साथ लाना एवं एकता का संदेश देना है तथा लोगों को आपस में जोड़ना है।" आरएसएस पदाधिकारी के अनुसार, सम्मेलनों में होने वाली चर्चाओं का केंद्र बिंदु सामाजिक सद्भाव, एकता और नेतृत्व द्वारा सुझाए गए पांच परिवर्तनकारी बदलाव होंगे, जिनके बारे में संगठन का मानना है कि ये सामाजिक कमियों को दूर करने और जाति या वर्ग भेद से परे एक साझा हिंदू पहचान को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। कुमार ने बताया कि ब्रज प्रांत में हिंदू सम्मेलन 15 जनवरी से 15 फरवरी के बीच आरएसएस द्वारा निर्धारित 12 जिलों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रांतीय, क्षेत्रीय और जिला स्तर के पदाधिकारी भाग लेंगे।

उन्होंने कहा, "ब्रज प्रांत के 12 जिलों में 2,000 स्थानों पर सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लगभग 3,000 बस्तियां और मंडल शामिल होंगे। स्थानीय आयोजन समितियां 11 से 21 जनवरी के बीच तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।" उन्होंने बताया कि इन सम्मेलनों को बुद्धिजीवी, शिक्षक, चिकित्सक, इंजीनियर, महिला प्रतिभागी, संत और अन्य प्रमुख नागरिक संबोधित करेंगे। इस दौरान स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे और अंत में सामुदायिक भोज के साथ सम्मेलन समाप्त होगा। मथुरा जिले के बारे में जानकारी देते हुए क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख जगदीश प्रसाद ने बताया कि 86 मंडलों और 76 शहरी बस्तियों में लगभग 150 हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

आप ने वाल्मीकि नाइक को गोवा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया

पणजी। आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी गोवा इकाई में रविवार को अहम बदलाव करते हुए वरिष्ठ नेता वाल्मीकि नाइक को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की घोषणा की। आप ने पिछले महीने हुए जिला पंचायत चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अमित पालेकर को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया था। आप में गोवा मामलों की प्रभारी और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने नाइक की नियुक्ति की घोषणा की।

वह पहले उत्तरी गोवा इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। आप ने गेर्सन गोम्ज को दक्षिण गोवा के पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष के पद से हटाकर उन्हें राज्य इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके अलावा, प्रशांत नाइक को राज्य संगठन सचिव और संदेश टेलेकर देसाई को राज्य में पार्टी का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने वाल्मिकी नाइक को नयी जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

उन्होंने 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा, "गोवा स्वच्छ राजनीति, युवाओं के लिए रोजगार और भ्रष्टाचार एवं गुंडाराज का अंत चाहता है। लोग वास्तविक बदलाव के लिए आपकी ओर देख रहे हैं।" आम आदमी पार्टी के गोवा विधानसभा में दो विधायक हैं और हाल ही में हुए जिला पंचायत चुनाव में उसने एक सीट जीती है।

पंजाब सरकार ने रोजाना औसतन 45 युवाओं को दिया रोजगार : भगवंत मान

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को जालंधर के पीएपी ग्राउंड में 1,746 पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। पंजाब सरकार औसतन प्रतिदिन 45 युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान कर रही है, जिससे चार वर्षों से भी कम समय में 63,027 नियुक्तियां करके इतिहास रचा है। पंजाब पुलिस के सशस्त्र और जिला कैडर के 1,746 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह अत्यंत गर्व और संतोष की बात है कि इस सरकार के कार्यकाल के दौरान कुछ युवाओं ने दो या तीन सरकारी नौकरियां भी प्राप्त की हैं।

अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही मैंने यह सुनिश्चित किया कि योग्य युवाओं को उनका हक मिले और इसी कारण अब तक 63,027 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। आज 1,746 और युवा पंजाब सरकार के परिवार में शामिल हुए हैं, जो अब राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में सक्रिय भागीदार बनेंगे। सरकार के मुख्य एजेंडे को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दिन से ही इस सरकार का एकमात्र उद्देश्य सरकारी नौकरियों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना रहा है। आज जिला कैडर के 1,261 कांस्टेबलों और सशस्त्र कैडर के 485 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में 10,264 युवाओं को पंजाब पुलिस के विभिन्न रैंकों में भर्ती किया गया है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। पंजाब पुलिस ने हमेशा देश की एकता और अखंडता की रक्षा की है और इस सीमावर्ती राज्य में शांति बनाए रखी है। हमारे पुलिस कर्मियों के बलिदानों के कारण ही पंजाब आज एक शांतिप्रिय राज्य के रूप में जाना जाता है। उन्होंने आगे कहा कि समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले गैंगस्टरों के खिलाफ निर्णायक जंग चल रही है। उन्हें पूरी तरह समाप्त करने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी तरह यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा बल का गठन पंजाब के लिए गर्व की बात है।

किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध मप्र सरकार : सीएम डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण शुभारंभ किया। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर किसानों की ऐतिहासिक 1101 ट्रेक्टरों की रैली का नेतृत्व किया। विशाल संख्या में ट्रैक्टरों की अनुशासित सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। ट्रेक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है।

यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजत और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस सादगी और आत्मीयता ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविमोर कर दिया। किसानों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किसान बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की नीतियों का केंद्र किसान, नारी, युवा और गरीब हैं। इन चारों वर्गों के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार योजनाओं और कार्यक्रमों का निर्धारण कर रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को "कृषक कल्याण वर्ष" के रूप में मनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसानों के हितों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार के 16 विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, जिससे कृषि से जुड़े सभी आयाम–उत्पादन, लागत, विपणन, आय और कल्याण एक साथ सुदृढ़ हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश की कृषि विकास दर 16 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जो राज्य की कृषि क्षमता और नीतिगत प्रयासों की सफलता दर्शाती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि किसानों की आमदनी में वृद्धि और कृषि लागत में कमी लाने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक उपायों को धरातल पर उतारना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष 2026 के संकल्प की पूर्ति का यह पहला दिन है। पूरे वर्ष विकास एवं मंगल कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाएंगे। सरकार का प्रयास रहेगा कि किसान समृद्ध हों, कृषि टिकाऊ बने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले।

भाजपा ने लातूर इकाई के 18 सदस्यों को निलंबित किया

लातूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लातूर इकाई के 18 सदस्यों को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने और संगठनात्मक कामकाज में बाधा डालने के आरोप में छह साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। पार्टी के एक स्थानीय नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। इनमें से अधिकतर आगामी लातूर नगर निकाय चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ रहे हैं। लातूर सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों के लिए चुनाव 15 जनवरी को होगा। पार्टी के शहर जिला अध्यक्ष अजित पाटिल कावेकर ने एक बयान में कहा कि भाजपा की स्थानीय इकाई के कुछ सदस्यों का आचरण पार्टी अनुशासन के लिए हानिकारक पाया गया। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में चर्चा हुई, जिसके बाद 18 सदस्यों की प्राथमिक सदस्यता रद्द करने और उन्हें छह साल के लिए निलंबित करने का निर्णय लिया गया।

मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा का संयुक्त घोषणा पत्र जारी

मुंबई के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देगा भाजपा गठबंधन : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को मुंबई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन का मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया। इस अवसर पर शिवसेना (शिंदे गुट) के अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले भी उपस्थित रहे। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मौके पर कहा कि इस घोषणा पत्र का मुख्य उद्देश्य मुंबई के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देना और मराठी संस्कृति की रक्षा करना है।

उन्होंने बताया कि मुंबई छोड़कर बाहर गए लोगों के लिए 35 लाख घर बनाए जाएंगे और शहर से बाहर गए मराठी लोगों को वापस मुंबई लाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही पुरानी इमारतों में 'पगड़ी सिस्टम' समाप्त कर किराएदारों को मालिकाना हक देने का भी वादा किया गया है। भाजपा गठबंधन के संयुक्त घोषणा पत्र में मुंबईवासियों को कई बड़ी राहत देने की घोषणाएं की गई हैं। इसमें अगले पांच वर्षों तक पानी की कीमतें न बढ़ाने, बेस्ट बसों में महिलाओं को 50 प्रतिशत रियायत देने तथा 'लाडली बहनों' को छोटे व्यवसाय के लिए पांच लाख रुपये तक का बिना ब्याज ऋण उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। इसके साथ ही मुंबई को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाने और 20 से 35 लाख नए घरों के निर्माण का लक्ष्य भी रखा गया है। घोषणा पत्र में मुंबई की करीब 20 हजार पुरानी इमारतों को शीघ्र ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट देने, सफाई कर्मचारियों और पुलिस कर्मियों को आवास उपलब्ध कराने, 09 मीटर से अधिक चौड़ी सभी सड़कों को सीमेंट कंक्रीट की बनाने तथा सड़कों की बार-बार खुदाई से बचने के लिए 17 सिविक सेवाओं के लिए 'यूटिलिटी टनल' बनाने की योजना शामिल है। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को वर्ष में एक बार नगर निगम अस्पतालों में मुफ्त फुल बॉडी चेकअप की सुविधा देने का भी वादा किया गया है। घोषणा पत्र के अनुसार, 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे' के नाम से हर वार्ड में 30 से 40 प्रकार के ब्लड टेस्ट और मुफ्त दवा देने वाले केंद्र शुरू किए जाएंगे। बरसात के दौरान मुंबई को जलभराव से बचाने के लिए आईआईटी जैसे संस्थानों की मदद से जापानी तकनीक अपनाने की योजना भी शामिल है। मुंबई को स्वच्छ बनाए रखने के लिए 'जो मांगेगा उसके लिए टॉयलेट' नीति लागू की जाएगी। साथ ही गैर-कानूनी रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर निकालकर मुंबई को पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया है। मुंबई नगर निगम को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का उपयोग किया जाएगा और सभी ठेकेदारों के लिए सख्त पुलिस व कार्य सत्यापन अनिवार्य किया जाएगा।

घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि मुंबई नगर निगम में एक अलग 'मराठी भाषा विभाग' बनाया जाएगा। मराठी युवाओं की शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के लिए नई नीति लागू कर उन्हें उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही मुंबई नगर निगम के अस्पतालों को जोड़कर 'हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे मेडिकल यूनिवर्सिटी' की स्थापना की जाएगी, जिससे मेडिकल शिक्षा की सीटें बढ़ेंगी। इसके अलावा संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के शहीदों की स्मृति को संजोने के लिए हुतात्मा स्मारक चौक पर एक विश्वस्तरीय संग्रहालय बनाने का वादा भी भाजपा गठबंधन के संयुक्त घोषणा पत्र में किया गया है।

नासिक में एफडीए ने जब्त किए 9.71 करोड़ रुपये के बैन तंबाकू उत्पाद, 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की विशेष टीम ने नासिक जिले में करीब 9.71 करोड़ रुपये मूल्य के बैन किए हुए फ्लेवर्ड तंबाकू और गुटखा जब्त किए हैं। इस कार्रवाई में 11 लोगों के खिलाफ फूड सेफ्टी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफडीए के डिवीजनल जॉइंट कमिश्नर मनीष सानप के अनुसार, गोपनीय जानकारी मिलने के बाद टीम ने 8 जनवरी को तलेगांव स्थित एलीटकोन इंटरनेशनल लिमिटेड और डिंडोरी की गोल्डन क्रायो प्राइवेट लिमिटेड में छापा मारा। इस दौरान 508 बाक्स फ्लेवर्ड तंबाकू जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि 10 जनवरी को एफडीए और वाडीवरे पुलिस की संयुक्त टीम ने एक सिगरेट निर्माण कंपनी में छापा मारकर 2,000 बाक्स पैक सिगरेट, एक पैकिंग मशीन, बिना लेबल वाली चांदी की पैकेजिंग सामग्री के 40 रोल, एक हाई पैक मशीन और लगभग 200 बोरे कच्चे फ्लेवर्ड तंबाकू जब्त किए। कंपनी को सील कर दिया गया और 11 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने मशीनों का अगले आदेश तक उपयोग न करने के निर्देश दिए हैं। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि बैन किए गए तंबाकू, गुटखा या इसी तरह के फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री, उत्पादन, स्टोरेज या ट्रांसपोर्टेशन की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800-22-2365 पर साझा करें। वेंडरों को भी बैन प्रोडक्ट्स के संबंध में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण संवैधानिक प्रक्रिया, इसका तमाशा न बनाएं : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से कहा कि वह उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विरोधाभासी दावे कर इसका ₹तमाशा₹ नहीं बनाएं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि एसआईआर एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसे निर्वाचन आयोग तकनीकी विशेषज्ञता के साथ पूरी कर रहा है। उन्होंने यादव और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं से इसमें गंभीरता के साथ सहयोग करने को कहा।

भाजपा की यह टिप्पणी यादव के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उत्तर प्रदेश में भाजपा नेताओं को मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले ही पता था कि कितने मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। यादव ने निर्वाचन आयोग की 'विश्वसनीयता' पर भी सवाल उठाए थे। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सपा प्रमुख को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस पार्टी के मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, क्योंकि हाल ही में वह दावा कर रहे थे कि इस प्रक्रिया में भाजपा के वोट कटे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि महज एक दिन पहले यादव कह रहे थे कि उनके कार्यकर्ताओं और बूथ एजेंट ने यह सुनिश्चित किया है कि उनके मतदाताओं के नाम सूची में जुड़ें, जबकि कांग्रेस आरोप लगा रही थी कि विपक्षी दलों के मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब सपा प्रमुख कह रहे हैं कि भाजपा ने अपने मतदाताओं के नाम जुड़वा लिए हैं।

राज्यसभा सदस्य ने एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितता के आरोपों को खारिज करते हुए इसे पेशेवर और तकनीकी विशेषज्ञता वाली संवैधानिक प्रक्रिया बताया। उन्होंने सपा, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से ऐसी गंभीर प्रक्रिया का तमाशा बनाने की आदत से बचने और गंभीरता व जागरूकता के साथ सहयोग करने को कहा।

प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में कृषि क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण : शाही

देवरिया। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आज देवरिया में अपने आवास पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में कृषि क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। इसलिए कषि योजनाओं का विस्तार करते हुए आम किसानों तक उनका लाभ पहुंचाया जा रहा है और इसका सीधा असर भी दिखाई दे रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि इस वर्ष भी एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बसंतकालीन गन्ने की बुवाई की गई है। जायद फसलों को बढ़ावा देने के लिए गन्ना किसानों को दलहन और तिलहन के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि किसान एक ही खेत में दो फसलें उगा सकें। प्रदेश के 45 जिलों के किसानों को मूंग सहित अन्य दलहनी फसलों के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य दलहन और तिलहन उत्पादन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई सही है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जांच में किसी प्रकार का अवरोध नहीं खडा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और घोटालों में शामिल लोगों के खिलाफ सीबीआई और ईडी की कार्रवाई जरूरी है। लालू प्रसाद यादव के मामलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर सवाल उठाने वालों को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया मकर संक्रांति के अवसर पर उनके देवरिया स्थित पैतृक गांव पकहां में भगवान चतुर्भुज जी के स्थान पर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 जनवरी को विशेष आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मोटे अनाजों को प्रदर्शित किया जाएगा और जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए जाएंगे।

12 जनवरी को अयोध्या दौरे पर रहेंगे पंकज चौधरी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी 12 जनवरी को बाराबंकी व अयोध्या के दौरे पर रहेंगे। रास्ते में जगह–जगह उनके स्वागत की तैयारी की गयी है। लखनऊ से निकलने पर सबसे पहले पॉलिटेक्निक मोड़ के निकट, वेव सिनेमा के सामने लखनऊ पूर्वी विधानसभा के विधायक ओ.पी.श्रीवास्तव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता स्वागत करेंगे। विधायक ओपी श्रीवास्तव स्वागत की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने पूरे विधानसभा के कार्यकर्ताओं को स्वागत में बुलाया है। बाराबंकी की सीमा पर पहुँचने पर बाराबंकी के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया जायेगा। वहीं अयोध्या जिले की सीमा में प्रवेश करने पर रूदौली के विधायक रामचन्द्र यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ता पंकज चौधरी का स्वागत करेंगे। वहीं रूदौली के बाद रास्ते में बीकापुर के विधायक डा.अमित सिंह प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करेंगे। इसके बाद अयोध्या महानगर में प्रवेश करने पर अयोध्या के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत करेंगे। इसके बाद कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी श्रीरामलला के दिव्य दर्शन कर संगठन एवं राष्ट्र की समृद्धि के लिए प्रार्थना करेंगे।

गजनी जैसे आतताइयों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गजनी जैसे आतताइयों के धूलधूसरित विध्वंस पर आज उल्लास, सृजन और वैभव का नव–अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को अपने आधिकारिक "एक्स" खाते पर एक पोस्ट में कहा "श्री सोमनाथ मंदिर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का जीवंत प्रतीक है...!" पोस्ट में उन्होंने कहा, "पिछले एक हजार वर्षों का कालखण्ड इस बात का प्रमाण है कि विदेशी आक्रांताओं की घृणा, कट्टरता और विध्वंस की नीति के आगे हमारी आस्था, साहस और सृजनशीलता की अमर शक्ति हर क्षण अडिग रही।"

योगी आदित्यनाथ ने इसी पोस्ट में आगे कहा, "आज बाबा सोमनाथ का जो भव्य स्वरूप हम देख रहे हैं, वह सरदार वल्लभभाई पटेल की निष्ठा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की आस्था, के.एम. मुंशी जी की जिजीविषा एवं लाखों सनातन धर्मावलंबियों के बलिदान का ही प्रतिफल है।" मुख्यमंत्री ने मोदी का जिक्र करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'नया भारत' आज 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के रूप में सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनी जैसे आतताइयों के धूलधूसरित विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव–अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है।"

योगी आदित्यनाथ ने कहा, "यह पर्व प्रतीक है कि सत्य को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। गौरवशाली सनातन संस्कृति के अभिवर्धन हेतु आपका आभार प्रधानमंत्री जी।" सोमनाथ (गुजरात) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'शौर्य यात्रा' का नेतृत्व किया। यह गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक औपचारिक शोभा यात्रा है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित इस यात्रा में 108 अश्वों की झांकी निकाली गई जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है। मोदी ने वहां आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को संबोधित किया, जो 1026 ईसवी में महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किए गए आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया है।

मनरेगा बचाओ संग्राम के पहले दिन पटेल पार्क में उपवास पर बैठे कांग्रेसी

चित्रकूट। जनपद में कांग्रेस पार्टी ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत मुख्यालय स्थित पटेल पार्क में उपवास किया। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कहा कि बीजेपी सरकार ने मनरेगा का नाम वीबी जी राम जी करके राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का अपमान किया है।

उन्होंने सत्ता में बैठे लोगों को चेतावनी देते हुए कहा, मनरेगा कोई 'खैरात' नहीं, यह करोड़ों गरीबों की 'सांस' है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का नाम बदले जाने से पूरे देश में भाजपा सरकार के खिलाफ जनाक्रोश है। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रंजना बाराती लाल पांडेय ने कहा क मिोदी सरकार ने मनरेगा को खत्म करने का प्रयास किया है और इसके विरोध में कांग्रेस का हर कार्यकर्ता सड़क पर है। गरीबों के हक और अधिकार के लिए कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता खड़ा है। मोदी सरकार ने बजट में कटौती करके गाँव के विकास की कमर तोड़ने का काम किया जा रहा है। प्रदर्शन में विजय मणि त्रिपाठी, राघवेंद्र सिंह, राकेश वर्मा, अवधेश करवरिया आदि दर्जनों कांग्रेसी मौजूद रहे।

आगामी स्नान पर्वों की सुरक्षा को लेकर शुरू हुई कड़ी निगरानी

प्रयागराज। माघ मेला के आगामी स्नान पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश द्वारों की निगरानी बढ़ा दी गई है। इसके साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बम निरोधक दस्ता व विशेष टीमें मेला क्षेत्र में सक्रियता से कार्य कर रही हैं। यह जानकारी रविवार को माघ मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि माघ मेला–2026 के आगामी स्नान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संगम नोज से लेकर मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश द्वारों पर मेला पुलिस, पीएसी एवं आरएएफ के जवानों की सघन तैनाती की गई है। प्रवेश द्वारों पर संदिग्ध व्यक्तियों की गहन तलाशी एवं सत्यापन के उपरांत ही मेला क्षेत्र में प्रवेश दिया जा रहा है।

आठ स्तरीय बना है सुरक्षा घेरा

मेला क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आठ–स्तरीय सुरक्षा घेरा स्थापित किया गया है। बाहरी सुरक्षा घेरों में पुलिस बल द्वारा मोर्चा संभाला गया है, जबकि आंतरिक घेरों में पीएसी, आरएएफ एवं एटीएस के जवान मुस्तैदी से तैनात हैं। संगम नोज पर घुड़सवार पुलिस की भी तैनाती की गई है। सभी पांटून पुलों के दोनों सिरों पर पीएसी बल मौजूद है, जिससे आवागमन पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। बम निरोधक दस्ता मेला क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर लगातार सघन जांच एवं तलाशी अभियान चला रहा है। संगम नोज सहित प्रमुख स्थलों पर पुलिस, पीएसी तथा एटीएस के कमांडो संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार की जा रही है।

भीड़ के मद्देनजर घाटों पर एनडीआर एफ तैनात

संगम सहित सभी स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए एनडीआरएफ, बाढ़ राहत दल एवं जल पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। जवानों द्वारा लगातार अनाउंसमेंट कर श्रद्धालुओं को गहरे पानी की ओर जाने से रोका जा रहा है, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज एवं पुलिस अधीक्षक माघ मेला सहित वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन मेला क्षेत्र का भ्रमण एवं निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं।

पेड़ से फांसी पर लटका मिला युवक का शव

प्रतापगढ़ । जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर थाना आसपुर देवसरा क्षेत्र के उदईशाहपुर गांव में रविवार को ननिहाल में रह रहे एक युवक का शव पेड़ से फंदे से लटका पाया गया। पुलिस ने युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का अंदेशा जताया है। थाना आसपुर देवसरा के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विजेंद्र सिंह ने बताया कि क्षेत्र के उदईशाहपुर निवासी अनिल का भांजा अविनाश (18) अपने ननिहाल में रहता था, जिसका शव आज घर से कुछ दूरी पर एक पेड़ से फांसी पर लटकता हुआ पाया गया। उन्होंने बताया कि मृतक के माता–पिता दोनों का देहांत हो चुका है। वह जनपद जौनपुर के थाना महराजगंज क्षेत्र के चांदपुर गांव का निवासी था और बचपन से ही ननिहाल में रहता था। एचओ ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। सिंह ने कहा कि आत्महत्या के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हर कर्मचारी का डॉक्यूमेंट्स और पुलिस वेरिफिकेशन किया जाएगा : असीम अरुण

लखनऊ। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत कुछ कोर्स कोऑर्डिनेटरों द्वारा फर्जी अभिलेखों के आधार पर नियुक्ति प्राप्त किए जाने के मामले सामने आने के बाद समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सख्त रुख अपनाया है। भविष्य में ऐसी किसी भी अनियमितता को रोकने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग में आउटसोर्सिंग से जुड़े मामलों में स्पष्ट शासनादेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आउटसोर्सिंग के जरिए की जाने वाली सभी नियुक्तियां पूरी तरह निर्धारित नियमों, मानकों और प्रक्रिया के अनुरूप हों।

शासनादेश में यह साफ किया जाएगा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त सभी कार्मिकों के शैक्षिक और अन्य जरूरी डॉक्यूमेंट्स की पूरी जांच अनिवार्य होगी। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन भी कराया जाएगा। राज्यमंत्री ने वर्तमान में विभाग में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों के डॉक्यूमेंट्स की भी अगले तीन महीने के अंदर जांच पूरी करने के निर्देश दिए, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न रहे।

सपा प्रमुख ने उप्र में एसआईआर के आंकड़ों पर सवाल उठाए, 'वोट चोरी' का आरोप लगाया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबाव में "वोट चोरी" की जा रही है।

सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में यादव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया, जबकि उसी समय राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनावों के लिए भी एसआईआर किया। उन्होंने कहा कि दोनों ही प्रक्रियाओं में काम समान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किया गया। यादव ने कहा, "आश्चर्यजनक रूप से, विधानसभा एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या 2.89 करोड़ घटकर 12.56 करोड़ रह गई। वहीं दूसरी ओर, पंचायत एसआईआर के बाद ग्रामीण मतदाताओं की संख्या 40 लाख बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई।" सपा प्रमुख ने निर्वाचन आयोग के समक्ष सवाल उठाते हुए कहा, "हमें बताएं कि दोनों एसआईआर में से कौन सा सही है, क्योंकि दोनों आंकड़े एक ही समय में सही नहीं हो सकते।" उन्होंने कहा कि भाजपा के दबाव में आकर अधिकारियों ने मतदान में हेराफेरी के 'संतुलन' को बनाए रखने में लापरवाही बरती, जिसके कारण पूरी प्रक्रिया की पोल खुल गई। यादव ने कहा कि "भाजपा के दबाव में वोट चोरी का समीकरण बराबर करना भूल गए और पोल पूरी तरह से खुल गई।"

सपा की पीडीए चौपाल से विधायक अनिल प्रधान ने दिया सामाजिक न्याय का संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जनपद के सदर विधानसभा क्षेत्र के कंठीपुर गांव में समाजवादी पार्टी द्वारा रविवार को पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान सपा नेताओं ने विधायक अनिल प्रधान के साथ 500 लोगों को कंबल वितरित किए। साथ ही बच्चों को पाठ्य–पुस्तकों और खेलकूद सामग्री का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के विधायक अनिल प्रधान पटेल ने कहा कि पीडीए समाज ही देश और प्रदेश की रीढ़ है, लेकिन मौजूदा सरकार में इस वर्ग की उपेक्षा की जा रही है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी से सबसे ज्यादा नुकसान पीडीए वर्ग को हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, बराबरी और सम्मान के साथ सबको विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। चौपाल में उपस्थित सपा के युवा नेता मंगल यादव ने राशन, आवास, पेंशन, रोजगार और स्थानीय समस्याओं को उठाया। उन्होंने कहा कि पीडीए चौपाल केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि जनता की आवाज को मजबूती से सरकार तक पहुंचाने का माध्यम है। समाजवादी पार्टी ने सभी से आह्वान किया कि वे पीडीए की एकजुटता को मजबूत करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। चौपाल के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प भी दोहराया गया।

इस मौके पर चित्रकूट विधानसभा अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, पूर्व प्रधान हरिमोहन यादव, दयाराम यादव, अरशद खान, उदित नारायण यादव, रमेश कोटार्य, गणेश, शिवलाल कोटार्य, साहबदीन, तुफैल खां, जब्बार खां, ग्राम प्रधान प्रमोद कुमार, पुरुषोत्तम वर्मा, माताबदल वर्मा, सुल्तान खां आदि मौजूद रहे।

उप्र पुलिस का 'यूपीकॉप ऐप' बना आमजन का सारथी घर बैठे प्राथमिकी दर्ज कराने समेत मिलेंगी 27 सुविधाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस का 'यूपीकॉप ऐप' और नागरिक पोर्टल अब एक 'डिजिटल पुलिस थाना' की तरह काम कर रहे हैं, जिसके माध्यम से लोग न केवल घर बैठे प्राथमिकी दर्ज करा रहे हैं, बल्कि थाने जाए बिना 27 प्रकार की पुलिस सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी गई। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण के हवाले से कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिसिंग को जनकेंद्रित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए तकनीक से जोड़ा है। इसमें कहा गया कि यह मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि आज उप्र पुलिस तकनीक के जरिये आम जनमानस की सेवा में नई मिसाल कायम कर रही है।

उन्होंने कहा कि यूपीकॉप ऐप ने थानों के चक्कर लगाने की मजबूरी को काफी हद तक कम कर दिया है। वहीं ऐप से विभिन्न सेवाओं के निस्तारण की समयावधि में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गयी है। बयान के मुताबिक, ऐप के जरिए लोग ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कराने, प्राथमिकी की कॉपी डाउनलोड करने, खोये सामान की रिपोर्ट दर्ज कराने, चरित्र सत्यापन, किरायेदार सत्यापन, घरेलू सहायक सत्यापन, कर्मचारी सत्यापन समेत 27 प्रकार की सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। इसमें कहा गया है कि अब तक 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ता ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं, जबकि ऐप के माध्यम से 2.1 करोड़ से ज्यादा प्राथमिकी डाउनलोड की जा चुकी हैं तथा 7.3 लाख से अधिक लोगों ने खोये सामान की रिपोर्ट दर्ज करायी है। यह आंकड़े मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डिजिटल पुलिसिंग की सोच के महत्व को दर्शाते हैं। डीजीपी ने बताया कि 'यूपीकॉप ऐप' में कई आधुनिक सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। इसमें रीयल–टाइम नोटिफिकेशन के जरिए आवेदकों को उनके आवेदन की स्थिति की तुरंत जानकारी मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह ऐप हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में उपलब्ध है जिससे हर वर्ग के लोग आसानी से इसका उपयोग कर रहे हैं।

वहीं, सुरक्षा के लिहाज से लोकेशन ट्रैकिंग और एसओएस बटन जैसी सुविधाओं को भी अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा ऐप पर नजदीकी पुलिस थाने को मैप पर देखने की सुविधा भी दी गई है, जो आपात स्थिति में काफी उपयोगी साबित हो रही है। डीजीपी ने बताया कि ऐप से विभिन्न सेवाओं के निस्तारण में लगने वाले समय में भारी कमी आयी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चरित्र सत्यापन में लगभग छह दिन का समय लग रहा है जबकि पहले इसमें आठ दिन लगते थे। इस तरह किरायेदार के सत्यापन में करीब आठ दिन लग रहे हैं जबकि पहले 24 से 25 दिन लगते थे, कर्मचारी सत्यापन में करीब पांच दिन लग रहे हैं जबकि पहले 13 दिन लगते थे।

खुशहाल भारत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जी राम जी अधिनियम: मनोहर लाल कोरी

चित्रकूट। जनपद के दौरे पर आए योगी सरकार के श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहर लाल कोरी ने आज प्रेस वार्ता कर मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम की खूबियां गिनाई। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–जी राम जी कानून ग्रामीण क्षेत्रों को आधुनिक, समृद्ध और खुशहाल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्यमंत्री मनोहर लाल कोरी ने कहा कि मोदी सरकार ने इस अधिनियम के तहत ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी है ।

अब काम मांगने पर कार्य न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता स्वतः मिलेगा, जिससे रोजगार का अधिकार वास्तविक कानूनी अधिकार बन गया है। उन्होंने कहा कि मजदूरी भुगतान में देरी होने पर प्रत्येक विलंबित दिन का मुआवजा भी दिया जाएगा। ग्राम स्तर पर कार्यों की योजना ग्राम सभा में तय होगी और चार प्रमुख श्रेणियों–जल सुरक्षा व संरक्षण, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने से जुड़े कार्यों पर अमल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए योजना में बायोमेट्रिक उपस्थिति और एआई आधारित निगरानी से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। कृषि कार्यों के दौरान बुवाई और कटाई से जुड़े 60 दिनों में योजना के कार्य नहीं कराए जाएंगे, जिससे कृषि गतिविधियां प्रभावित न हों। नए अधिनियम में प्रशासनिक मद की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे कार्मिकों की सेवाएं सुदृढ़ होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में चल रहे मनरेगा के कार्य सुरक्षित हैं और नए अधिनियम के लागू होने के बाद विकास कार्य और अधिक गति से आगे बढ़ेंगे। इस मौके पर बीजेपी जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन पंकज अग्रवाल,पूर्व विधायक आनंद शुक्ला,बीजेपी महामंत्री आलोक कुमार पांडेय,अश्वनी अवस्थी आदि दर्जनों भाजपाई एवं अपना दल व निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे।

पेस और गोपीचंद ने खेल मंत्री के साथ 'संडेज ऑन साइकिल' के 56वें चरण में हिस्सा लिया

नई दिल्ली। टेनिस के महान खिलाड़ी लिएंडर पेस और बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद ने रविवार को यहां खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ 'संडेज ऑन साइकिल' पहल के 56वें चरण में भाग लिया जो खेल मंत्रालय की एक फिटनेस पहल है। फिट इंडिया की जन-फिटनेस मुहिम 'संडेज ऑन साइकिल' ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में वापसी की।

सुबह सात बजे छह डिग्री की ठंड को मात देते हुए 1000 से अधिक लोगों ने इस फिटनेस उत्सव में हिस्सा लिया जिसमें देशभर से आए 500 युवा नेता भी शामिल थे। इसके बाद एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। ये युवा नेता तीन दिवसीय 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में भाग लेने के लिए यहां आए थे और इन्हें विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल किया गया। 'संडेज ऑन साइकिल' का आयोजन देशभर में 15000 स्थानों पर किया गया। भोपाल में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें मध्य प्रदेश के युवा कार्य एवं खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अभिनेत्री पायल

रोहातगी और ओलंपियन जूडो खिलाड़ी गरिमा चौधरी सहित कई प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के साथ साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर मांडविया ने कहा, "स्वस्थ शरीर मजबूत नेतृत्व की नींव होता है। साइकिलिंग हमें नेतृत्व के अहम सबक सिखाती है, यह बताती है कि कब तेज चलना है, कब धीमा होना है और सबसे महत्वपूर्ण, जीवन में आगे बढ़ते रहने के लिए संतुलन कैसे बनाए रखना है।" खेल मंत्री की इस पहल की सराहना करते हुए गोपीचंद ने कहा, "यह देखना प्रेरणादायक है कि एक मंत्री न सिर्फफिटनेस को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने पर इतना विचार कर रहे हैं, बल्कि पूरे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। एक कठिन सप्ताह के काम के बाद भी रविवार सुबह स्वयं इस कार्यक्रम में भाग लेना, फिट इंडिया के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।" समुदाय आधारित फिटनेस अभियानों के महत्व पर बोलते हुए पेस ने कहा, "फिटनेस कोई अकेले नहीं कर सकता। हमें एक-दूसरे को प्रेरित करना होता है और समुदाय का हिस्सा बनना होता है क्योंकि फिटनेस सिर्फ मजबूत शरीर की नहीं, बल्कि स्वस्थ मन की भी होती है, जो ऐसे सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेने से हासिल होती है।" उन्होंने कहा, "मैं खेल मंत्री को इतनी अनोखी पहल शुरू करने के लिए बधाई देता हूं।

यह सोचकर ही अद्भुत लगता है कि यह कार्यक्रम पूरे देश में एक साथ चल रहा है।" कार्यक्रम के उत्सवपूर्ण माहौल को और बढ़ाते हुए सुबह जुम्बा सत्र, योगाभ्यास और इलेक्ट्रिक मल्लखंब व रस्सी कूद के रोमांचक प्रदर्शन हुए। फिट इंडिया दूत टिम्सी बेक्टर और दिव्या आहूजा ने भी सर्दियों में फिटनेस को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। उन्होंने नियमित व्यायाम और आसान वार्म-अप पर ज़ोर दिया।

मुंबई मैराथन में भाग लेंगे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय धावक

मुंबई। पिछले चरण के उप विजेता मेरहावी केसेटे (पुरुष वर्ग) और इथियोपिया की मेडिना डेमे आर्मिनो (महिला वर्ग) सहित एलीट एथलीट 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में हिस्सा लेंगे जो विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल की रोड रेस है।

यह मुंबई मैराथन का 21वां सत्र है जिसमें पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में पहले तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 50000, 25000 और 15000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा जो भी अपने वर्ग में मौजूदा स्पर्धा का रिकॉर्ड तोड़ेगा, उसे 15000 डॉलर दिए जाएंगे। केसेटे पिछले साल बेरहाने टेसफे से पीछे दूसरे स्थान पर रहे थे।

वह इस साल प्रबल दावेदारों में शुमार होंगे। उनके अलावा युगांडा से 2023 विश्व चैंपियन विक्टर किपलांगाट, दक्षिण अफ्रीका के स्टीफन मोकोका और इथियोपिया के बाजेज्यू अस्मारे और टाडू अबाटे डेमे भी इसमें हिस्सा लेंगे।

कोस्तयुक को हराकर सबालेंका ने ब्रिस्बेन फाइनल जीता

ब्रिसबेन। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज एरीना सबालेंका ने रविवार को मार्ता कोस्तयुक को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार ब्रिसबेन इंटरनेशनल का खिताब अपने नाम किया जो उनकी कुल मिलाकर 22वीं ट्रॉफी है। यह लगातार तीसरा साल था जब सबालेंका फाइनल में पहुंचीं और बेलारूस की इस खिलाड़ी ने पैट रैफ्टर एरिना में सिर्फ एक घंटे 17 मिनट में 6-4, 6-3 से जीत हासिल की ब्रिसबेन इंटरनेशनल 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक तैयारी टूर्नामेंट है। कोस्तयुक ने शुरुआत में ही सबलेंका की दूसरी सर्विस पर आक्रामक खेल दिखाया और शानदार ड्रॉप शॉट्स से शुरुआती ब्रेक हासिल कर लिया बेलारूस की खिलाड़ी वापसी शानदार खेल से वापसी करने में ज्यादा समय नहीं लिया। उनके जोरदार बेसलाइन रैलियों का कोस्तयुक के पास कोई जवाब नहीं था। सबलेंका ने दूसरे सेट में अपनी गति बढ़ाते हुए दमदार ग्राउंड स्ट्रोक और ड्रॉप शॉट्स के मिश्रण से यूक्रेन की खिलाड़ी को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया।

यूपी वॉरियर्स के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी आरसीबी

नवी मुंबई। मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में कड़ी परीक्षा से गुजरने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सितारों से सजी यूपी वॉरियर्स के खिलाफ अपनी लय जारी रखने की कोशिश करेगी। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली साल 2024 की चैंपियन टीम ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुश्किल स्थिति से उबरते हुए तीन विकेट की जीत दर्ज की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी नादिन डि क्लर्क ने आखिरी चार गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई थी।

आरसीबी की जीत ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी स्तब्ध कर दिया था। मंधाना और आरसीबी के लिए वह पल बेहद खास था और टीम डि क्लर्क (नाबाद 63 रन बनाए और चार विकेट) से यूपी वॉरियर्स के खिलाफ भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पिछले मैच में डि क्लर्क के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया था

ऐसे में मंधाना चाहेंगी कि वह और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रन बनाने में योगदान दें। ग्रेस हैरिस, स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता, ऋचा घोष और राधा यादव जैसे खिलाड़ियों को आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी होगी। वहीं गेंदबाजी विभाग में अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल और राधा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इन सभी ने मुंबई के खिलाफ सबसे ज्यादा रन लुटाए थे। यूपी वॉरियर्स को अपने शुरुआती मैच में निराशा का सामना करना पड़ा, जिसमें सबसे बड़ा झटका ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का खराब प्रदर्शन रहा। डब्ल्यूपीएल नीलामी में 3.2 करोड़ रुपये की सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी रहीं दीप्ति गुजरात जायंट्स के खिलाफ शनिवार को हुए दिन के मुकाबले में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहीं।

यूपी वॉरियर्स 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 10 रन से हार गई, जिसमें दीप्ति बिना विकेट लिए रहीं और बल्लेबाजी में सिर्फ एक रन ही बना सकीं। टीम की नयी कप्तान मेग लैनिंग चाहेंगी कि उनकी स्टार ऑलराउंडर जल्द ही लय में लौटे। इसके अलावा उन्हें शीर्ष क्रम में किरण नवगिरे और हरलीन देओल से ठोस योगदान की उम्मीद होगी। इस मैच में हालांकि ऑस्ट्रेलिया की युवा खिलाड़ी फोबे लिचफील्ड ने 78 रन की शानदार पारी खेल हार के अंतर को काफी कम किया। उनकी बल्लेबाजी से टीम को कुछ आत्मविश्वास जरूर मिला होगा।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से जल्दी संन्यास लिया उनमें 2027 विश्व कप तक खेलने की भूख है: डोनाल्ड

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने माना कि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से थोड़ी जल्दी संन्यास लिया लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज में इतनी भूख और जुनून है कि वह 2027 के वनडे विश्व कप तक खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाए रखेंगे। डोनाल्ड ने आईपीएल के 2014-15 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का गेंदबाजी कोच रहते हुए कोहली के साथ काम किया है।

उन्होंने कोहली की वर्क इथिक्स (फिटनेस और खेन के लिए कड़ा अभ्यास) पर जोर देते हुए कहा, " आप जानते हैं, मैंने फिटनेस और खेल को लेकर जज्बे के मामले में किसी खिलाड़ी में विराट जीतनी भूख नहीं देखी। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मैं अक्सर ड्रेसिंग रूम में इस बारे में बात करता हूं कि वह खुद को फिट रखने के मामले में चैंपियन है। कोई भी उनके जितना मेहनत नहीं करता। वह किसी मशीन की तरह है।" उन्होंने कहा,

" मुझे वास्तव में उन्हें टेस्ट मैचों में उनकी कमी महसूस होती है। मुझे लगता है उन्होंने थोड़ा जल्दी संन्यास लिया, लेकिन मुझे कोई संदेह नहीं कि हम उन्हें सीमित ओवर प्रारूप के क्रिकेट और विश्व कप में खेलते हुए देखेंगे।" डोनाल्ड ने यह भी कहा कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका ने एक संतुलित और मजबूत टीम चुनी है। सात फरवरी से शुरू होने वाले विश्व कप को भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा, " भारत में यह टूर्नामेंट काफी रोमांचक होने वाला है, है ना? दक्षिण अफ्रीका ने एक बहुत मजबूत टीम चुनी है। हमेशा सवाल उठते रहते हैं कि कौन नहीं गया और कौन जाना चाहिए था। मुझे लगता है कि भारत में दुनिया के सबसे अच्छे टी20 विकेट हैं। किसी भी गेंदबाज के लिए वहां खेलना बेहद कठिन है। मैंने आईपीएल में भी देखा है कि पावर प्ले में 124 रन बनना कितना चुनौतीपूर्ण होता है।

यह बल्लेबाजी की कला का ही कमाल है।" इस पूर्व महान गेंदबाज ने कहा, "अगर आप सोच समझकर गेंदबाजी करे तो मैच में आपका पलड़ा भारी रहेगा। मुझे उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल तक पहुंचेगी।" यह 59 साल का खिलाड़ी एसए20 लीग की पिछली चार सत्रों में हुई प्रगति देखकर बहुत प्रसन्न हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में यह लीग और विकसित होगी। उन्होंने कहा, " हम इसके लिए काफी समय से इंतजार कर रहे थे। मुझे पिछले साल डरबन सुपर जायंट्स के साथ जुड़ने का मौका मिला था।

उनके ड्रेसिंग रूम का माहौल आईपीएल जैसा महसूस होता है। यह टूर्नामेंट अभी आईपीएल जितना बड़ा नहीं है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की दृष्टिकोण से यह सर्वश्रेष्ठ है।" उन्होंने कहा, " इस लीग में शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के साथ युवाओं को खेलने का मौका मिल रहा है। माहौल वास्तव में शानदार है। यह बहुत ही खास अनुभव है। और हां, मुझे उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट और भी बड़ा होता जाएगा।"

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण 3.63 लाख करोड़ रुपये तक गिरा

नई दिल्ली। बीते सप्ताह शेयर बाजार में कमजोरी के बीच भारत की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात कंपनियों का कुल बाजार मूल्य 3,63,412.18 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक प्रभावित हुई। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 2,185.77 अंकों या 2.54 प्रतिशत की गिरावट आई।

ऑनलाइन कारोबारी मंच एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार पिछले सप्ताह नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए, जो अमेरिकी शुल्क की नई धमकियों और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को दर्शाता है।'' समीक्षाधीन अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो के बाजार मूल्य में गिरावट आई, वहीं

आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों की कीमत बढ़ी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,58,532.91 करोड़ रुपये गिरकर 19,96,445.69 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 96,153.61 करोड़ रुपये घटकर 14,44,150.26 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 34,901.81 करोड़ रुपये बढ़कर 10,03,674.95 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 6,097.19 करोड़ रुपये बढ़कर 5,57,734.23 करोड़ रुपये हो गया।

तिमाही नतीजों, महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझानों से तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली। इस सप्ताह बाजार की चाल टीसीएस और इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। विशेषज्ञों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, ''यह सप्ताह पर्याप्त आर्थिक गतिविधियों के साथ कंपनियों के तिमाही नतीजों का दौर शुरू होगा।

निवेशक भारत की खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों पर करीब से नजर रखेंगे। साथ ही आईटी, बैंकिंग, वित्त और ऊर्जा क्षेत्रों की बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम भी केंद्र में रहेंगे।'' उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर बाजार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर नजर रखेगा, जिसमें ट्रंप के शुल्क की वैधता तय होनी है। यह फैसला बाजार की धारणा के लिए एक बड़ा कारक बन सकता है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक इस सप्ताह डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रहेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर तीसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत हो रही है। इससे सूचकांक की दिशा और अलग-अलग क्षेत्रों की दिशा तय होगी। टीसीएस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा जैसी कई बड़ी कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। इन कंपनियों की टिप्पणियां और प्रबंधन का भविष्य के लिए मार्गदर्शन बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा।''

बीता सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के लिए मंदी भरा रहा, जहां अमेरिकी शुल्क की नई धमकियों, भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण गिरावट हुई। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 2,185.77 अंक (2.54 प्रतिशत) और निफ्टी 645.25 अंक (2.45 प्रतिशत) टूट गया। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि इस सप्ताह भारत में दिसंबर महीने की खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े जारी होंगे।

स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड बन रहे भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्य

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड 27 देशों के यूरोपीय संघ ब्लॉक के भीतर भारतीय वस्तुओं के लिए स्थिर और प्रमुख निर्यात गंतव्य के रूप में उभर रहे हैं। आंकड़ों बताते हैं कि भारतीय निर्यात के लिए स्पेन एक उच्च विकास वाला यूरोपीय बाजार बनकर उभरा है।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान स्पेन को निर्यात में 56 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में तीन अरब डॉलर से बढ़कर 4.7 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल निर्यात में स्पेन की हिस्सेदारी बढ़कर 2.4 प्रतिशत हो गई, जिसमें 0.5 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसी प्रकार, चालू वित्त वर्ष के आठ महीनों के दौरान जर्मनी को भारत का निर्यात 9.3 प्रतिशत बढ़कर 6.8 अरब डॉलर से 7.5 अरब डॉलर हो गया। एक अधिकारी ने कहा, ₹भारत के कुल निर्यात में 2.6 प्रतिशत हिस्सेदारी और 0.2 प्रतिशत अंकों की हिस्सेदारी वृद्धि के साथ, जर्मनी

भारतीय उत्पादों के लिए स्थिर मांग प्रदान करना जारी रखता है।₹ अप्रैल-नवंबर 2025-26 के दौरान बेल्जियम को देश से होने वाला निर्यात 4.2 अरब डॉलर से बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि के दौरान भारत का पोलैंड को निर्यात 7.6 प्रतिशत बढ़कर 1.82 अरब डॉलर हो गया, जबकि अप्रैल-नवंबर 2024 में यह 1.69 अरब डॉलर था।

अधिकारी ने कहा कि कुल मिलाकर ये रुझान भारत की यूरोप के लिए निर्यात रणनीति को दर्शाते हैं। स्पेन में तेजी से बढ़ती मांग, जर्मनी में स्थिर विकास और बेल्जियम में स्थिरता यह दिखाती है कि भारत का निर्यात संतुलित है, जिसमें पुराने बाजारों में मजबूती और नए बाजारों में विविधीकरण दोनों शामिल हैं।

क्रिप्टो पर भारत ने कसा शिकंजा, उपयोगकर्ताओं के लिए 'लाइव सेल्फी', 'जियो-टैगिंग' अनिवार्य

नई दिल्ली। क्रिप्टो मार्केट में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने सख्त नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए नए 'धनशोधन रोधी' और 'अपने ग्राहक को जाने' दिशानिर्देशों के तहत ग्राहकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक मौजूदगी की जांच और जियो-टैगिंग जैसे नियम अनिवार्य कर दिए गए हैं।

इस महीने आठ तारीख को जारी इन ताजा दिशानिर्देशों के अनुसार क्रिप्टो एक्सचेंजों को 'आभासी डिजिटल संपत्ति' (वीडीए) सेवा प्रदाता के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अब इन्हें सिर्फ दस्तावेजों के अपलोड से आगे बढ़कर गहन जांच का सामना

करना पड़ेगा। इसके तहत उपयोगकर्ताओं को अब एक 'सजीव सेल्फी' लेनी होगी।

इसमें ऐसे सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, जो यह पुष्टि करेगा कि व्यक्ति खुद वहां मौजूद है। इसमें पलक झपकाने या सिर हिलाने को कहा जाएगा। यह कदम फोटो या 'डीपफेक' के जरिए होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए उठाया गया है। साथ ही खाता बनाते समय उपयोगकर्ता किस स्थान (अक्षांश और देशांतर), तारीख, समय और किस आईपी एड्रेस का उपयोग कर रहा है, इसका सटीक रिकॉर्ड भी रखना होगा। बैंक खाते की सक्रियता और स्वामित्व साबित करने के लिए मात्र एक रुपये का लेनदेन अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत पैन कार्ड के साथ ही आधार, पासपोर्ट या वोटर आईडी जैसा दूसरा पहचान पत्र देना होगा। साथ ही ईमेल और फोन नंबर का ओटीपी वेरिफिकेशन भी जरूरी है।

मांग, मुनाफा बढ़ने से FMCG कंपनियों ने तीसरी तिमाही में मजबूत सुधार दिखाया

नई दिल्ली। जीएसटी सुधारों, त्योहारों की अच्छी बिक्री और कच्चे माल की कीमतों में कमी के कारण चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एफएमसीजी उद्योग की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला। एफएमसीजी कंपनियों ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जीएसटी के कारण उत्पन्न व्यवधानों, जब वितरक और खुदरा विक्रेता अपने पास मौजूद महंगे सामान को पहले बेचने में लगे हुए थे, के कम होने के बाद एफएमसीजी कंपनियों में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखाई देने लगे।

डाबर, मैरिको और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड जैसी एफएमसीजी कंपनियों ने कहा कि व्यापार स्थिरीकरण के बाद, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता भावना में सुधार हुआ है। हालांकि, पिछले रुझान के अनुरूप, इस तिमाही में भी ग्रामीण मांग शहरी मांग से अधिक रही। एफएमसीजी उद्योग अब आने वाली तिमाहियों में मांग में निरंतर सुधार और राजस्व में वृद्धि की उम्मीद कर रहा है।

इसके अलावा चैनलों के संदर्भ में संगठित व्यापार ने अपनी मजबूत वृद्धि गति को बनाए रखा, जिसमें हाइपर-लोकल डिलीवरी मंच सहित ई-कॉमर्स में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि हुई। डाबर ने कहा, ''भारत में हम उम्मीद करते हैं कि केश तेल और दांतों की देखभाल खंड में मजबूत वृद्धि के चलते 'घर और निजी देखभाल' कारोबार में दोहरे अंकों की वृद्धि होगी। डाबर आंवला, डाबर आलमंड, डाबर अनमोल, डाबर रेड टूथपेस्ट और मेसवैक जैसे प्रमुख ब्रांड अच्छी मात्रा आधारित वृद्धि दर्ज करने की संभावना रखते हैं।''

अदाणी समूह कच्छ में करेगा 1.5 लाख करोड़ का निवेश

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने रविवार को कहा कि अदाणी समूह अगले पांच वर्षों में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

करण अदाणी राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' (वीजीआरसी) को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और कई प्रमुख उद्योगति मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''अदाणी समूह अगले पांच वर्षों में कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी खावड़ा परियोजना को पूरा करेंगे और 2030 तक पूरी 37 गीगावाट क्षमता को चालू कर देंगे। साथ ही, हम अगले 10 वर्षों में मुंद्रा में

अपनी बंदरगाह क्षमता को भी दोगुना करेंगे।'' अदाणी ने कहा कि इनमें से प्रत्येक निवेश भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं - रोजगार सृजन, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा, स्थिरता और दीर्घकालिक मजबूती के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता और बिखराव का सामना कर रही है, भारत एक उम्मीद की किरण के रूप में उभर रहा है। भारत लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, अपने विनिर्माण आधार का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात भारत के औद्योगिक रूप से उन्नत और वैश्विक स्तर पर जुड़े राज्यों में से एक है। भारत की जीडीपी में गुजरात का योगदान आठ प्रतिशत से अधिक है, जबकि औद्योगिक उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है।

करण अडानी ने कच्छ को परिवर्तन का एक शक्तिशाली प्रतीक बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र कभी दूरदराज वाला और चुनौतीपूर्ण माना जाता था, लेकिन अब भारत के प्रमुख औद्योगिक, लॉजिस्टिक और ऊर्जा केंद्रों में एक बनकर उभरा है। उन्होंने आगे जोड़ा कि कच्छ में ही अदाणी समूह का मुंद्रा बंदरगाह स्थित है। कार्यक्रम में वेलस्पन वर्ल्ड के चेयरमैन बालकृष्ण गोयनका ने कहा कि उनकी कंपनी गुजरात में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख लोगों को रोजगार दे रही है। अमेरिका और ब्रिटेन में वेलस्पन होम टेक्सटाइल की बाजार हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक है।

'मैं यामी की फैन हूं', 'हक' की परफॉर्मेंस ने जीता आलिया का दिल

मुंबई। फिल्में केवल मनोरंजन का साधन नहीं होतीं, बल्कि कभी-कभी उनका प्रभाव इतना गहरा होता है कि वे इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों तक को भी प्रभावित कर देती हैं। हाल ही में रिलीज हुई कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'हक' ने ऐसा ही प्रभाव डाला है। यामी गौतम की बेहतरीन परफॉर्मेंस ने दर्शकों के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियों को भी दीवाना बना दिया है। आलिया भट्ट ने 'हक' देखकर अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यामी गौतम की खुलकर तारीफ की और खुद को उनका फैन बताया। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि 'हक' यामी गौतम की अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस में से एक है। उन्होंने यामी को 'क्वीन' कहा और उनके अभिनय, दिल और मेहनत की तारीफ की। आलिया ने लिखा, "क्वीन यामी गौतम, आपकी 'हक' में परफॉर्मेंस जबरदस्त है और आपकी कला ने हर मोड़ पर मेरा दिल जीत लिया। आपने अपने किरदार में इतनी गहराई और प्रामाणिकता दिखाई कि मैं आपकी कायल हो गई।" आलिया ने आगे लिखा, "जैसा कि मैंने आपको फोन पर भी बताया कि मैं हमेशा आपका नया काम देखने के लिए उत्साहित रहती हूं और हर नए प्रोजेक्ट का इंतजार करती हूं। मैं आपकी फैन हूं। 'हक' की सफलता के लिए आपको बधाई।" उन्होंने लिखा, "मैं हमेशा आपकी कला का सम्मान करती हूं और आपका काम मुझे बेहद पसंद आता है। इस तरह, फिल्म ने न केवल दर्शकों को बल्कि इंडस्ट्री के सहकर्मियों को भी प्रभावित किया।" सिर्फ आलिया ही नहीं, बल्कि कई अन्य फिल्म इंडस्ट्री की हस्तियों ने भी यामी और फिल्म 'हक' की टीम की सराहना की है। फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने भी यामी और इमरान हाशमी की तारीफ की थी। फराह खान ने सोशल मीडिया पर लिखा, "यामी, आप हर अवॉर्ड लेने के लिए तैयार हो जाओ, आपकी परफॉर्मेंस अद्भुत है। ये इमरान हाशमी की भी अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस है।"'हक' फिल्म 7 नवंबर 2025 को रिलीज हुई थी। इसके बाद अब यह डिजिटल प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

शादी के बंधन में बंधे नुपूर सेनन और स्टेबिन बेन

मुंबई। बॉलीवुड और म्यूज़िक इंडस्ट्री से एक बेहद खास और खुशियों भरी खबर सामने आई है। अभिनेत्री कृति सैनन की छोटी बहन नुपुर और मशहूर सिंगर स्टेबिन बेन ने शादी के बंधन में बंधकर अपनी नई ज़िंदगी की शुरुआत कर ली है। लंबे समय तक अपने रिश्ते को निजी रखने के बाद इस कपल ने ईसाई रीति-रिवाजों के साथ विवाह किया, तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। फैंस और सेलेब्स लगातार इस जोड़ी को बधाइयां दे रहे हैं। शादी के मौके पर नुपुर सैनन सफेद गाउन में परी जैसी नजर आईं, जबकि स्टेबिन बेन क्लासिक सूट में बेहद हैंडसम दिखे।

30 जनवरी को रिलीज होगी रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3'

मुंबई। बॉलीवुड स्टार रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' 30 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। यश राज फ़िल्म्स ने रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी 3' की रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 30 जनवरी को रिलीज़ होगी। यश राज फ़िल्म्स की मर्दानी हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी सोलो फीमेल-लीड फ्रैंचाइज़ है, जिसे पिछले 10 वर्षों से दर्शकों का भरपूर प्यार और सराहना मिलती आ रही है। मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी एक बार फिर निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नज़र आएंगी, जो न्याय के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ती हैं। यश राज फ़िल्म्स (वाईआरएफ) ने मर्दानी 3 की रिलीज़ डेट पहले करने की घोषणा करते हुए इसे 30 जनवरी 2026 को रिलीज़ करने का ऐलान किया। मेकर्स इस फ़िल्म को शिवानी की अच्छाई और खौफनाक बुराई के बीच एक खूनी और हिंसक टकराव के रूप में पेश कर रहे हैं, जहां वह देश की कई लापता लड़कियों को बचाने के लिए समय के खिलाफ एक असाधारण रेस शुरू करती हैं। मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है और फ़िल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है। जहां मर्दानी (पहली फ़िल्म) ने मानव तस्करी की भयावह सच्चाई को दिखाया था, वहीं मर्दानी 2 में सिस्टम को चुनौती देने वाले एक साइकोपैथ सीरियल रेपिस्ट के खौफनाक दिमाग को उजागर किया गया था। मर्दानी 3 समाज की एक और अंधेरी और क्रूर सच्चाई में उतरने जा रही है, और फ्रैंचाइज़ की दमदार, मुद्दा-आधारित कहानी कहने की परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

हर इंसान में छिपी होती है अच्छाई और बुराई परिस्थितियां तय करती हैं राह: रणदीप हुड्डा

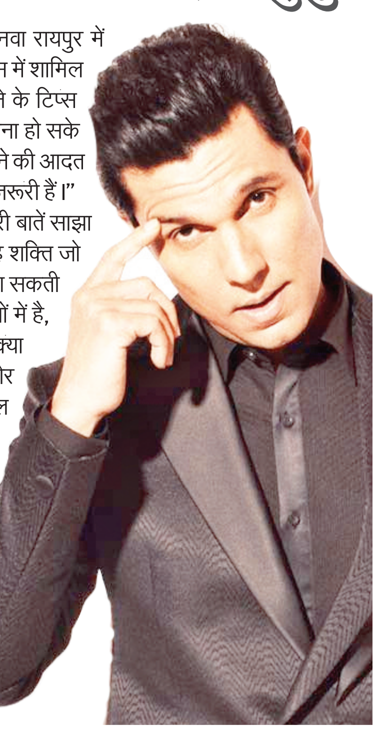

मुंबई।)। बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में आयोजित पंख मैराथन में शामिल हुए। इस दौरान उनकी मौजूदगी से कार्यक्रम में शामिल लोगों का एनर्जी लेवल काफी हाई रहा। एक्टर ने अपने फैंस को हेल्दी रहने के टिप्स दिए। रणदीप ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "स्वस्थ जीवन के लिए जितना हो सके हेल्दी खाना खाइए, रोजाना कुछ न कुछ एक्सरसाइज कीजिए और पैदल चलने की आदत डालिए। ऐसी छोटी-छोटी कोशिशें हमारे शरीर और मन दोनों के लिए बेहद जरूरी हैं।"

रणदीप हुड्डा ने इस अवसर पर जीवन और इंसान की क्षमता पर भी गहरी बातें साझा कीं। उन्होंने कहा, "हर इंसान के अंदर दो तरह की ताकत होती है। पहली वह शक्ति जो अच्छाई करने में इस्तेमाल होती है और दूसरी वह शक्ति जो बुराई करने में जा सकती है। यह पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति किन परिस्थितियों में है, उसे कौन-कौन सी चुनौतियां झेलनी पड़ रही हैं और उसकी महत्वाकांक्षाएं क्या हैं।" रणदीप का कहना है कि कुछ लोग मुश्किल हालात में भी अपनी मेहनत और लगन से काम कर सकते हैं, जबकि कुछ लोग उन्हीं परिस्थियों का इस्तेमाल अपने और दूसरों के नुकसान के लिए भी कर सकते हैं। रणदीप ने बताया, "इंसान जन्म से किसी खास रूप में होता है, लेकिन समय, अनुभव और उसकी पसंद के आधार पर वह कुछ और बन जाता है। हमारे जीवन की पहचान वही होती है जो हम पसंद करते हैं और जिसे अपनाते हैं। व्यक्ति अपनी रुचियों, मेहनत और जुनून से ही अपने जीवन का असली स्वरूप तय करता है।" हाल ही में रणदीप ने एक इंटरव्यू में कहा था, "मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है।

अमेरिका ने दिया ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का संकेत

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान में गुजर चुके साल के 28 दिसंबर से महंगाई के खिलाफ शुरू प्रदर्शन ने इस्लामी गणराज्य शासन की नींद उड़ा दी है। सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के प्रदर्शनकारियों को दंगाई कहने से लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सारा देश हिंसा की लपटों से घिरा हुआ है। सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच टकराव में बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति हुई है। कई जगहों पर सरकारी संपत्ति को आग के हवाले कर दिया गया। गोलीबारी में मारे गए लोगों के प्रति चिंता जताते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का संकेत दिया है।

ईरान इंटरनेशनल ने विभिन्न वीडियो फुटेज के आधार पर प्रसारित रिपोर्ट में ईरान के मौजूदा सूरत-ए-हाल की विस्तार से चर्चा की है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ईरान के सुरक्षा बल देश भर में प्रदर्शनकारियों पर जानलेवा बल प्रयोग कर रहे हैं। शुरुआती अनुमान है कि बड़े पैमाने पर लोग मारे गए हैं। देश में आठ जनवरी से इंटरनेट सेवा बंद है। तेहरान के दक्षिण में कहरीजाक से मिले वीडियो फुटेज में कई शव दिख रहे हैं। ऐसे ही वीडियो फरदीस, करज और पूर्वी तेहरान के अलगादिर अस्पताल से पहले भेजे गए। इनमें भी शव नजर आ रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि पिछले 48 घंटों में कम से कम 2,000 लोग मारे गए हैं। उत्तरी शहर रश्त के एक डॉक्टर के अनुसार, अकेले एक अस्पताल में कम से कम 70 शव पहुंचाए गए। इलम और करमानशाह के पश्चिमी प्रांत भी हिंसा से घिरे हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जन आक्रोश को स्वीकार करने या लोगों से बातचीत करने के बजाय ईरान के नेतृत्व ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सरकारी टेलीविजन में कहा जा रहे है कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। शुक्रवार को सरकारी टेलीविजन में तो लोगों को धमकी तक दी गई। माता-पिता से कहा गया, ₹अगर वे अपने बच्चों की सुरक्षा की परवाह करते हैं तो उन्हें सड़कों से दूर रखें। ईरान के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले चैनलों में से एक चैनल-3 ने अशांति को देश पर एक सुनियोजित हमला बताया है।

बुनियादी नागरिक अधिकारों की मांग करने वाले प्रदर्शनकारियों की निंदा की गई। तस्वीरों में सुरक्षा बलों को भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागते और गोलियां चलाते हुए दिखाया गया। तेहरान के मेयर अलीरेजा जकानी ने कहा कि राजधानी में प्रदर्शनकारियों ने दर्जनों बसों और सरकारी इमारतों में आग लगा दी। यह प्रदर्शनकारी नहीं आतंकवादी हैं। खामेनेई ने कहा- ताकत से मुकाबला करेंगे: ईरान के सरकारी टेलीविजन ने गत दिवस सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का दिन भर भाषण प्रसारित किया। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर विदेशी दुश्मनों की तरफ से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने ताकत से निपटने की कसम भी खाई। कुछ चैनलों पर सिर्फ प्रदर्शनकारियों की हिंसा को दिखाया गया। शासन के प्रतीकों पर हमले: लोगों का गुस्सा इस कदर बढ़ गया है कि शासन के गढ़े गए प्रतीकों तक को तहस-नहस करने में आमादा हैं। इसका उदाहरण यह है कि पूर्व इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कुद्स फोर्स कमांडर कासिम सुलेमानी की मूर्तियां गिरा दी गई हैं।

ईरान आजादी की तरफ देख रहा है: डोनाल्ड ट्रंप

"ईरान आजादी की तरफ देख रहा है। अमेरिका मदद के लिए तैयार है।" यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार रात अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कही। इससे पहले दिन में ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम की एक पोस्ट को री-पोस्ट किया। इसमें उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो के प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने की तारीफ की और ₹मेक ईरान ग्रेट अगेन₹ का नारा इस्तेमाल किया। ग्राहम ने कहा था कि मदद आ रही है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरान को आजाद कराने के लिए तैयार हैं। ईरान के लोगों का आजादी का सपना जल्द पूरा होगा। इसके अलावा अमेरिकी हाउस रिप्रेजेंटेटिव क्लाउडिया टेनी ने कहा कि कृपया ईरान में एक हिंसक शासन के खिलाफ खड़े बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए मेरे साथ प्रार्थना करें। न्यूयॉर्क की रिपब्लिकन प्रतिनिधि ने अपने एक्स अकाउंट पर कहा, ₹एक क्रूर तानाशाह के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने पर परिवार अपने बेटों और बेटियों को खो रहे हैं। यह चुप रहने का समय नहीं। चुप्पी केवल हत्यारों को ताकत देती है।

रूस के वोरोनेझ शहर में ड्रोन हमले में एक महिला की मौत, तीन लोग घायल

मॉस्को। यूक्रेन के एक ड्रोन हमले में रूस के वोरोनेझ शहर में एक महिला की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्ज़ेंडर गुसेव ने टेलीग्राम पर बताया कि शनिवार को हुए हमले के दौरान ड्रोन का मलबा एक घर पर गिरने से घायल हुई एक युवती की अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज के दौरान रात को मौत हो गयी।

उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं और 10 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों, निजी घरों तथा एक उच्च विद्यालय को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने यह भी बताया कि वायु रक्षा प्रणालियों ने वोरोनेझ के ऊपर 17 ड्रोन मार गिराए। यह शहर लगभग 10 लाख से अधिक आबादी वाला है और यूक्रेनी सीमा से करीब 250 किलोमीटर दूर स्थित है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इसके एक दिन पहले रूस ने शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइल दागीं। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में राजधानी कीव में कम से कम चार लोगों की मौत हुई। भीषण हमलों की यह श्रृंखला और परमाणु क्षमता वाली ओरेश्निक मिसाइल का प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका के नेतृत्व में संभावित शांति समझौते की स्थिति में मॉस्को की आक्रामकता से यूक्रेन की रक्षा को लेकर कीव और उसके सहयोगियों के बीच वार्ताओं में महत्वपूर्ण प्रगति की खबरें सामने आई थीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा कि यूक्रेनी वार्ताकार "अमेरिकी पक्ष के साथ संवाद जारी रखे हुए हैं।"

उन्होंने बताया कि मुख्य वार्ताकार रुस्तम उमेरोव शनिवार को अमेरिकी साझेदारों के संपर्क में थे। इसी बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने कहा कि रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन को निशाना बनाकर 154 ड्रोन दागे, जिनमें से 125 को मार गिराया गया।

मिसीसिपी में युवक ने की छह लोगों की हत्या

वेस्ट प्वाइंट (अमेरिका)। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में 24 वर्षीय युवक ने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में उसका पिता, भाई, दो रिश्तेदार, एक गिरजाघर के पादरी और पादरी के भाई शामिल हैं। आरोपी डारिका एम. मूर को शुक्रवार देर रात लगभग बारह बजे से पहले सीडरब्लफ में एक पुलिस नाके पर गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले स्थानीय, राज्य और संघीय एजेंसियों के दर्जनों अधिकारी उत्तर-पूर्वी मिसिसिपी क्षेत्र में तैनात कर दिए गए थे। मूर को सोमवार को अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। क्ले काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी स्कॉट कोलम ने कहा कि वह मृत्युदंड की मांग करेंगे। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने कहा कि साक्ष्यों और गवाहों से स्पष्ट है कि मूर अकेला हमलावर था और किसी अन्य के घायल होने की सूचना नहीं है।

जांचकर्ता अभी उससे पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है। जांचकर्ताओं के अनुसार, मूर ने शुक्रवार को सबसे पहले पश्चिमी क्ले काउंटी में अपने परिवार के एक अस्थायी मकान में अपने पिता ग्लेन मूर (67), भाई क्विंटन मूर (33) और एक रिश्तेदार विली एड गाइन्स (55) की हत्या की।

इसके बाद वह अपने भाई का ट्रक लेकर एक रिश्तेदार के घर गया, जहां उसने जबरन अंदर घुसकर यौन अपराध का प्रयास किया और सात साल की बच्ची की गोली मारकर हत्या कर दी। बाद में वह एक छोटे-से चर्च में पहुंचा, जहां उसने पादरी बैरी ब्रैडली और उनके भाई सैमुअल ब्रैडली की हत्या कर दी। चार घंटे से अधिक समय बाद उसे पुलिस ने पकड़ लिया।

अमेरिका ने सीरिया में ISIS के खिलाफ जवाबी हमले शुरू किए

वाशिंगटन। अमेरिका ने पिछले महीने सीरिया में हुए हमले में अपने दो सैनिकों और एक दुभाषिए की मौत के बाद इस्लामिक स्टेट के खिलाफ फिर से जवाबी हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार, अमेरिका और सहयोगी बलों द्वारा किए गए ये व्यापक हमले पूर्वी समयानुसार दोपहर साढ़े 12 बजे के आसपास हुए। इन हमलों में सीरिया भर में आएस के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। शनिवार के हमले एक व्यापक अभियान के तहत किए गए जो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की आईएसआईएस के हमले के जवाब में शुरू की गई कार्रवाई का हिस्सा है जिसमें पिछले महीने पल्मायरा में सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर, सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड और दुभाषिया अयाद मंसूर सकात की मौत हो गई थी। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अगर आप हमारे सैनिकों को नुकसान पहुंचाते हैं तो हम आपको ढूंढ निकालेंगे ।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में जमींदार ने की 23 वर्षीय हिंदू किसान की गोली मारकर हत्या

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक जमींदार ने अपनी जमीन पर झोपड़ी बनाने के कारण 23 वर्षीय हिंदू किसान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद हिंदू समुदाय ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किए। बदीन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कमर रजा जसकानी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार रात हैदराबाद से मकान मालिक सरफराज निजामानी और उसके सहयोगी जफरुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया।

बदीन जिले के तलहार गांव में आश्रय के लिए निजामानी की जमीन पर एक झोपड़ी बनाने के आरोप में चार जनवरी को कैलाश कोहली को गोली मार दी गई थी। जसकानी ने कहा, "आरोपी के घटनास्थल से फरार होने और भूमिगत हो जाने के बाद इस मामले में एक विशेष टीम का गठन किया गया था लेकिन हमने आखिरकार उसे कल रात हैदराबाद के फतेह चौक इलाके से गिरफ्तार कर लिया।" कोहली की हत्या के बाद हिंदू समुदाय में आक्रोश भड़क उठा और उन्होंने इसके विरोध में प्रदर्शन किए। निजामानी नहीं चाहता था कि कोहली उसकी जमीन पर झोपड़ी बनाए। गोली लगने से घायल कोहली ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस संबंध में उनके भाई पून कुमार कोहली ने प्राथमिकी दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस टीम का गठन किया गया। सिंध में हिंदू अल्पसंख्यकों के लिए एक कल्याणकारी ट्रस्ट चलाने वाले शिव काची ने कहा, "हिंदू समुदाय द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से बनाए गए जन दबाव के कारण आरोपी की गिरफ्तारी हुई। बदीन में सैंकड़ों लोग विरोध प्रदर्शनों और धरनों के लिए एकत्रित हुए थे।

सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जावेद अख्तर ओधो ने कोहली के पिता को फोन करके गिरफ्तारी के बारे में सूचित किया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन खत्म हुए।" काची ने निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद जताई ताकि हिंदू समुदाय भयानक अपराधों से सुरक्षित रहे और अधिकारियों पर उनका विश्वास बहाल हो सके।